



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 118]
No. 118]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 16, 1984/चैत्र 27, 1906
NEW DELHI, MONDAY, APRIL 16, 1984/CHAITRA 27, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

धर्म और पुनर्वास मंत्रालय

(धर्म विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 अप्रैल 1984

गा०का०नि० 286(अ)—मजदूरी सदाय (खान) नियम 1956 का
जिसे इसमें आगे उक्त नियम कहा गया है, और सशोधन करने के लिए,
कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिसे केन्द्रीय सरकार मजदूरी
सदाय अधिनियम, 1936 (1936 का 4) की धारा 24 के माध्य
पठित धारा 26 की उपधारा (2) और (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का
प्रयोग, करने रूप बनाना चाहती है उक्त अधिनियम की धारा 26 की
उपधारा (5) की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए
प्रकाशित किया जाता है जिनके उनसे प्रभावित होने की सम्भावना है।
इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना
के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीन मास की अवधि की समाप्ति
के पश्चात् विचार किया जाएगा।

2 ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर जो इस प्रकार विनिर्दिष्ट तारीख
से पूर्व, उक्त प्रारूप को बाधन किसी व्यक्ति में, प्राप्त होंगे, केन्द्रीय
सरकार विचार करेगा।

प्रारूप नियम

मजदूरी सदाय (खान) सशोधन नियम 1983

1 उक्त नियमों का नाम मजदूरी सदाय (खान) सशोधन नियम
1983 है।

2 मजदूरी सदाय (खान) नियम 1956 के नियम 2 में (क) खण्ड
(ख) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तः स्थापित किया जाएगा,
अर्थात् —

“(क) मुख्य धर्म आयुक्त (बन्धु) में, केन्द्रीय सरकार द्वारा
इस रूप में नियुक्त कोई अधिकारी अधिप्रेत है,

(ख) खण्ड (घ) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तः स्थापित
किया जाएगा, अर्थात् —

“(घ)” कुटुम्ब से अधिप्रेत है—

- (1) पुरुष नियोजित व्यक्ति के मामले में, उसकी पत्नी,
उसकी सतानें चाहे वे विवाहित हो या अविवाहित,
उसके आश्रित माता-पिता, और उसके मृतक पुत्रों की
विधवाएं और सतानें;
- (2) स्त्री नियोजित व्यक्ति के मामले में उसका पति, उसकी
सतानें चाहे वे विवाहित हो या अविवाहित, उसके
आश्रित माता-पिता, उसके पति के आश्रित माता-पिता
और उसके मृतक पुत्रों की विधवाएं और सतानें।”

नियम 2क के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तः स्थापित किया
जाएगा, अर्थात् —

“2ख नाम निर्देशन (1) यह नियोजित व्यक्ति जो मजदूरी सदाय
(खान) सशोधन नियम 1983 के प्रारम्भ की तारीख को नियोजन
में है साधारणतया ऐसी तारीख से साठ दिन के भीतर और वह
नियोजित व्यक्ति जो उक्त नियम के प्रारम्भ की तारीख के पश्चात्
नियोजित किया जाता है, साधारणतया ऐसे नियोजन के दिन से भीतर

दिन के भीतर किसी व्यक्ति का नाम निर्देशन करके उसे वे सभी रकमें प्राप्त करने का अधिकार प्रदान करेगा जो ऐसे नियोजित व्यक्ति को मजदूरी के रूप में देय हैं, किन्तु जो संदाय किए जाने से पूर्व नियोजित व्यक्ति की मृत्यु हो जाने के कारण या उसका पता ठिकाना न होने के कारण उसे नहीं दी सकी थी या नहीं दी जा सकी है। नियोजित व्यक्ति प्रारूप ख में नाम निर्देशन करके उसकी दो प्रतियां नियोजक पर, या तो व्यक्तिगत रूप में तामिल करके और उसकी प्राप्ति की उचित रसीद प्राप्त करके या फिर रसीदी रजिस्ट्रीकृत डाक से भेज कर उसकी तामिल नियोजक पर करेगा :

परन्तु नियोजक, प्रारूप ख में नाम निर्देशन विनिर्दिष्ट अवधि के अवसान के पश्चात भी स्वीकार कर लेगा यदि उसके साथ दिल्म्ब के उचित आधार प्रस्तुत किए जाते हैं और इस प्रकार स्वीकृत कोई भी नाम-निर्देशन मुख्यतया इस कारण अधिविमान्य नहीं होगा कि वह ऐसी विनिर्दिष्ट अवधि के अवसान के पश्चात फाइल किया गया है।

(2) उपनियम (1) के अधीन प्रारूप ख में नाम निर्देशन की प्राप्ति से तीस दिन के भीतर नियोजक, नियोजित व्यक्ति की, नाम निर्देशन प्रारूप में यथा उल्लिखित सेवा विनिर्दिष्टां खात के अभिलेखों के प्रति निर्देशन से सत्यापित करेगा और प्रारूप ख में नाम निर्देशन पत्र की दूसरी प्रति जिसे नियोजक ने या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी ने सम्यक्तः अनुप्रमाणित किया हो, नियोजित व्यक्ति को उससे उसकी प्राप्ति की रसीद लेकर, वापस कर देगा। यह वापसी इस बात की प्रतीक होगी कि नियोजक ने नाम निर्देशन अभिलिखित कर लिया है और नामनिर्देशन की अन्य प्रति नियम 2 ग के उपनियम (1) में विहित रीति में अभिलिखित और फाइल की जाएगी।

(3) यदि नामनिर्देशन करते समय नियोजित व्यक्ति का कोई कुटुम्ब है तो नाम निर्देशन उसके कुटुम्ब के किसी व्यक्ति के हो पक्ष में किया जाएगा। यदि कोई नाम निर्देशन ऐसे किसी व्यक्ति के पक्ष में किया जाता है जो नियोजित व्यक्ति के कुटुम्ब का व्यक्ति नहीं है तो वह शून्य होगा।

(4) यदि नाम निर्देशन करने समय नियोजित व्यक्ति का कोई कुटुम्ब नहीं है तो नामनिर्देशन किसी भी व्यक्ति के पक्ष में किया जा सकता है किन्तु यदि बाद में नियोजित व्यक्ति का कोई कुटुम्ब बन जाता है तो ऐसा नामनिर्देशन तुल्य शून्य हुआ समझा जाएगा और नियोजित व्यक्ति, कुटुम्ब बनने से तीस दिन के भीतर, उपनियम (1) में यथा-विनिर्दिष्ट रीति में नियोजक को प्रारूप ग में दो प्रतियों में एक नया नाम निर्देशन प्रस्तुत करेगा और तत्पश्चात् उपनियम (2) के उपबन्ध यथावश्यक परिवर्तनों सहित उसी प्रकार लागू होंगे जैसा नामनिर्देशन उपनियम (1) के अधीन किया गया हो।

(5) यदि नाम निर्देशन की मृत्यु नियोजित व्यक्ति के पूर्व हो जाती है तो नाम निर्देशन का हित नियोजित व्यक्ति को प्रतिबर्तित हो जाएगा और नियोजित व्यक्ति, नाम निर्देशन की मृत्यु के दिन से तीस दिन की अवधि के भीतर, इसमें आने उल्लिखित रीति में, नया नामनिर्देशन करेगा।

(6) नाम निर्देशन में उपांतरण की सूचना जिसके अन्तर्गत ऐसे मामले भी हैं जिनमें नामनिर्देशन की मृत्यु नियोजित व्यक्ति से पहले हो जाती है, सूचना नियोजक को प्रारूप घ में दो प्रतियों में उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट रीति में दी जाएगी और तत्पश्चात् उपनियम (2) के उपबन्ध यथावश्यक परिवर्तन सहित उसी प्रकार लागू होंगे जैसा नामनिर्देशन उपनियम (1) के अधीन किया गया हो।

(7) नियोजित व्यक्ति किसी अप्राप्तव्य व्यक्ति को नाम निर्देशन नहीं करेगा।

(8) नाम निर्देशन नए नाम निर्देशन या नामनिर्देशन में उपांतरण की सूचना पर नियोजित व्यक्ति हस्ताक्षर करेगा और यदि वह साक्षर

नहीं है तो वह उस पर अंगूठे का निशान लगाएगा। ऐसे हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान वा साक्षियों की उपस्थिति में लागू जाएगा जो, यथारिखित नामनिर्देशन नए निर्देशन या नामनिर्देशन में उपांतरण की सूचना में इस भाव की एक घोषणा पर भी हस्ताक्षर करेंगे।

(9) नाम निर्देशन, नए नामनिर्देशन या नामनिर्देशन में उपांतरण की सूचना उस तारीख में प्रभावी होगी जिस तारीख को वे नियोजक को प्राप्त होंगे हैं।

2ग. नाम निर्देशन-रजिस्टर (1) नियोजक नामनिर्देशन रजिस्टर में, यथास्थिति, नाम निर्देशन, नए नाम निर्देशन और नामनिर्देशन में उपांतरण की सूचनाएं अभिलिखित और फाइल करेगा। नियोजक इस रजिस्टर को प्रारूप ड में कालानुक्रम में रखेगा।

(2) नियोजक नाम निर्देशन रजिस्टर अद्यतन रूप में रखेगा और स्थायी रूप में उसे कार्यस्थल पर रखेगा या यदि वह ऐसे रजिस्टर को कार्यस्थल पर रखने में कोई असुविधा महसूस करता है तो वह-ऐसा रजिस्टर ऐसे किसी उपयुक्त स्थान पर रखेगा जिसे प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) इस निमित्त अनुमोदित करे।

4. उक्त नियमों के नियम 6 के उपनियम (1) में प्रत्येक रजिस्टर" शब्दों के पूर्व "नाम निर्देशन रजिस्टर में भिन्न" शब्द जोड़ दिए जाएंगे।

5. विद्यमान नियम 9 को उपनियम (1) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा और निम्नलिखित उपनियम, नियम 9 के उपनियम (2) के रूप में अन्तर्स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

"(2) मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) ऐसा विहित प्राधिकारी होगा जिसके पास, अधिनियम की धारा 25 क की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अधीन निक्षिप्त किए जाने के लिए अपेक्षित रकम निक्षिप्त की जाएगी और वह इस प्रकार निक्षिप्त रकमों को नियम 14ख में विहित रीति में बरतेंगा।

6. नियम 19 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तर्स्थापित किए जायेंगे अर्थात् :-

"19क असंविनियत मजदूरी की रकम का निक्षेप—

(1) यदि किसी श्रम में नियोजित व्यक्ति मजदूरी के रूप में देय सभी रकमें इस कारण असंविनियत रह जाती है कि या तो नियोजित व्यक्ति ने कोई नामनिर्देशन नहीं किया है या ऐसी रकम देय हो जाने की तारीख से एक वर्ष के पश्चात् तक नियोजित व्यक्ति के नाम निर्देशन की किसी कारणवश संदत नहीं की जा सकी है तो नियोजक ऐसी सभी रकमें, उक्त एक वर्ष की अवधि के अंतिम दिन के पश्चात् से पन्द्रह दिन के अवसान से पूर्व मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) के पास निक्षिप्त कर देगा।

(2) नियोजक उपनियम (1) में विहित रकम मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), नई दिल्ली के पक्ष में भारत में किसी अनुमूचित बैंक में प्राप्त भूतल मांग देय ड्राफ्ट द्वारा निक्षिप्त करेगा और ऐसा मांगदेय ड्राफ्ट मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) को, प्रारूप 6-क में सुसंगत ब्योरो के साथ, रजिस्ट्रीकृत डाक से भेजेगा और उसके साथ ही उसकी एक प्रति संबंधित प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) को भी भेजेगा।

19ख. रकमों को बरतने की रीति :

(1) मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) नियम 19क के अधीन निक्षिप्त रकमों का उपयोग ऐसे उपायों के अन्तर्गत में उपयुक्त व्ययों को पूरा करने के लिए करेगा जो उसकी श्रम श्रान्तों में नियोजित व्यक्तियों के कल्याण की अभिवृद्धि करने के लिए आवश्यक या समीचीन है और विनिर्दिष्ट:

उनका उपयोग खानों में नियोजित व्यक्तियों के फायदे के लिए निम्नलिखित कार्यों पर करेगा, अर्थात् :-

- (i) शैक्षिक सुविधाओं की व्यवस्था और सुधार ;
- (ii) आमोद-प्रमोद से संबंधित सुविधाओं की व्यवस्था और सुधार ;
- (iii) परिवार नियोजन और परिवार कल्याण की व्यवस्था और सुधार ;
- (iv) व्यावसायिक, प्रशिक्षण तथा भ्रमण और बिकलांग व्यक्तियों के पुनर्वास की व्यवस्था और सुधार ;
- (v) परिवहन सुविधाओं की व्यवस्था और सुधार ।

(2) किसी खान के मध्य में नियोजक द्वारा या किसी खान में नियोजित व्यक्तियों के ऐसे व्यवसाय संघ द्वारा जो व्यवसाय संघ अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्ट्रीकृत है, उपनियम (1) में निर्दिष्ट उपायों के संबंध में उपगत व्यय की संबंधित व्यक्ति को प्रतिपूर्ति, मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) स्वविवेकानुसार पूर्णतः या भागतः कर सकता है परन्तु यह तब जब उसका यह समाधान हो जाए, कि संबंधित व्यक्ति ने एता व्यय उपनियम (1) में निर्दिष्ट किसी मर्यादा प्रयोजन के लिए ही व्यस्तः उपगत किया है ।

7. उक्त नियमों के प्रारूप 5 में,—

- (क) मद 3 के खण्ड (क), (ख) और (घ) तथा मद 4 और 5 में प्रयुक्त “1000” श्रृंखला के स्थान पर, “1600” श्रृंखला रखे जाएंगे ;
- (ख) मद 7 के पश्चात्, निम्नलिखित मद अन्तः स्थापित की जाएगी, अर्थात्:-

“8. मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) के पास निम्नलिखित असंवितरित मजदूरी के मामलों की संख्या और रकम :

1,600 रु० प्रति मास से कम पाने

वाले व्यक्ति

मामलों की संख्या रकम

- (क) वे मामले जिनमें नामनिर्देशन न होने के कारण मजदूरी असंवितरित रह गई है ।
- (ख) वे मामले जिनमें मजदूरी नियोजित व्यक्ति (व्यक्तियों) द्वारा नाम निर्देशित व्यक्ति (व्यक्तियों) को किसी कारणवश संदेह नहीं की जा सकती है ।”

8. उक्त नियमों के प्रारूप 7 में,

- (क) मद 1 में “200” श्रृंखला के स्थान पर, “1600” श्रृंखला रखे जाएंगे ।
- (ख) मद 9 की उपमद (2) के खण्ड (क) में “प्रति रुपया नी पैसे” शब्दों के स्थान पर “उस मजदूरी अवधि के संबंध में जिसमें जुमाना अधिरोपित किया गया है, उसे देय मजदूरी के 9 प्रतिशत” शब्द रखे जाएंगे ;
- (ग) मद 12 में “केन्द्रीय सरकार” शब्दों के पश्चात् “या मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय)” शब्द और कोष्ठक जोड़ दिए जाएंगे ;
- (घ) मद 12 के पश्चात् निम्नलिखित मद अन्तःस्थापित की जाएगी अर्थात्:-

“12-क, नियोजित व्यक्ति के लिखित प्राधिकार से ऐसी किसी निधि में, जो या तो नियोजक ने या व्यवसाय संघ अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्ट्रीकृत किसी व्यवसाय संघ ने, नियोजित व्यक्तियों या उनके कुटुम्ब के सदस्यों, या दोनों के कल्याण के लिए गठित की है और जिसे केन्द्रीय सरकार ने, या इस निमित्त उसके द्वारा विनिर्दिष्ट किसी अधिकारी ने अनुमोदित किया है, उसके अधिदान के संदाय के लिए कटौतियां ऐसे अनुमोदित के बने रहने के दौरान की जा सकती हैं ;

(8) मद 14 के पश्चात् निम्नलिखित मद अन्तः स्थापित की जाएगी, अर्थात्—

“14-क. नियोजित व्यक्ति के लिखित प्राधिकार से, व्यवसाय संघ अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्ट्रीकृत किसी व्यवसाय संघ की सदस्यता के लिए नियोजित व्यक्ति द्वारा देय फीसों के संदाय के लिए कटौतियां की जा सकती हैं” ;

(ज) मद 15 में, “केन्द्रीय सरकार” शब्दों के पश्चात् “या मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय)” शब्द और कोष्ठक जोड़ दिए जाएंगे ;

(छ) मद 19 के पश्चात् निम्नलिखित शब्द और मर्बे अन्तः स्थापित की जाएगी अर्थात् :—

“असंवितरित मजदूरी का संदाय

(9क) (1) यदि मजदूरी के रूप में किसी नियोजित व्यक्ति को देय सभी रकमों का संदाय, ऐसे संदाय से पूर्व नियोजित व्यक्ति को मृत्यु कहे जाने के कारण उसका पता ठिकाना ज्ञात न होने के कारण नहीं किया जा सका है या नहीं किया जा सकता है तो ऐसी रकमों का संदाय उस व्यक्ति को कर दिया जाएगा जिसे ऐसे नियोजित व्यक्ति ने इस निमित्त नामनिर्देशित किया है ।

(2) यदि मजदूरी इस कारण असंवितरित रह जाती है कि नियोजित व्यक्ति ने कोई नामनिर्देशित नहीं किया है या ऐसी रकमों नियोजित व्यक्ति के नाम निर्देशितों को, ऐसी रकमों के देय होने की तारीख से एक वर्ष के अवसान के पश्चात् तक, संवत् नहीं की जा सकी है तो नियोजक ऐसी असंवितरित मजदूरी की सभी रकमों, उक्त एक वर्ष की अवधि के अंतिम दिन के पश्चात् से 15 दिन के अवसान से पूर्व मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), नई दिल्ली के पास निम्नलिखित कर देगा ।

निम्नलिखित रकमों को भरने की रीति

(19ख) (1) मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), अपने पास निम्नलिखित असंवितरित मजदूरी की रकमों का उपयोग ऐसे उपायों के संबंध में व्यय को पूरा करने के लिए करेगा जो खानों में नियोजित व्यक्तियों के कल्याण की अभिवृद्धि करने के लिए किए जाते हैं और विशिष्टतः उनका उपयोग खानों में नियोजित व्यक्तियों के फायदे के लिए किए गए उपायों, उदाहरणार्थ, नियोजित व्यक्तियों की शिक्षा, आमोद-प्रमोद और परिवहन सुविधाओं परिवार नियोजन और परिवार कल्याण, व्यावसायिक प्रशिक्षण और अशक्त तथा बिकलांग व्यक्तियों के पुनर्वास की व्यवस्था और सुधार कार्य के खर्च को पूरा करने के लिए किया जाएगा ।

(2) किसी खान के संबंध में नियोजक द्वारा या किसी खान में नियोजित व्यक्तियों के ऐसे व्यवसाय संघ द्वारा जो व्यवसाय संघ अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्ट्रीकृत है, इस प्रकार उपगत व्यय की संबंधित व्यक्ति को प्रतिपूर्ति मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) स्वविवेकानुसार पूर्णतः या भागतः कर सकता है ।

[सं० एस० 31012/8/82 डब्ल्यू० सी० (पी० डब्ल्यू०)]

प्रारूप ख

[नियम 2 ख का उपनियम (1) देखिए]

नामनिर्देशन

सेवा में,

(यहां खान का नाम और पूरे पते के साथ नियोजक का नाम और पता दीजिए)

में

पूरा नाम

जिसकी विशिष्टियां नीचे विवरण में दी गई हैं, नीचे उल्लिखित व्यक्ति का नामनिर्देशन, मजदूरी के रूप में मुझे देय सभी रकमें उस वशा में प्राप्त करने के लिए, करता हूँ जब ऐसी रकमें उन के संवाय से पूर्व मेरी मृत्यु हो जाने के कारण या मेरा पता ठिकाना शान न होने के कारण मुझे संवत् न की जा सकी हो या संवत् न की जा सकती हों।

2. मैं प्रमाणित करता हूँ कि जिस व्यक्ति का मैंने नामनिर्देशन किया है वह मजदूरी संवाय (खान) नियम, 1956 के नियम 2 के खण्ड (छछ) के अर्थ में मेरे कुटुम्ब का सदस्य है।

3. मैं घोषणा करता हूँ कि उक्त नियमों के नियम 2 के खण्ड (छछ) के अर्थ में मेरा कोई कुटुम्ब नहीं है और यदि भविष्य में मेरा कोई कुटुम्ब बन जाता है तो उक्त नामनिर्देशन शून्य हो जाएगा और उस वशा में प्ररूप ग में एक नया नामनिर्देशन करूंगा।

4. (क) मेरे पिता/माता/माता-पिता मुझ पर आश्रित नहीं है।

(ख) मेरे पति के पिता/माता-पिता मेरे पति पर आश्रित नहीं है।

नामनिर्देशिनी

| नामनिर्देशिनी का नाम और पता | नियोजित व्यक्तियों के नामनिर्देशिनी की प्राप्ति साथ नामनिर्देशिनी की नातेदारी |
|-----------------------------|---|
| 1 | 2 |
| | 3 |

विवरण

- नियोजित व्यक्ति का पूरा नाम
- लिंग
- वर्ग
- दया अधिवाहित/विवाहित/विधवा/विधुर है
- उस विभाग/शाखा/अनुभाग का नाम जिसमें नियोजित है:
- धारित पर लघु टिकट संख्यांक या क्रम संख्यांक, यदि कोई है।
- नियुक्ति की तारीख
- वर्तमान पता:
- स्थायी पता:

ग्राम-----जाना-----उपखण्ड-----

ब्लॉक/खाना-----जिला-----

राज्य-----

स्थान-----

तारीख नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर/अंगूठे का निशान साक्षियों द्वारा घोषणा

नामनिर्देशन पर मेरे समक्ष हस्ताक्षर किए गए/अंगूठे का निशान लगाया गया।

निम्नलिखित का पूरा नाम और पता:— साक्षियों के हस्ताक्षर

1. 1.

2. 2.

स्थान-----

तारीख-----

नियोजक का प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त नामनिर्देशन की विशिष्टियों का सत्यापन कर लिया गया है और उन्हें क्रम संख्यांक-----पर प्ररूप ड० में नामनिर्देशन रजिस्टर में अभिलिखित कर दिया गया है।

नियोजक/प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर

स्थान----- पद नाम

तारीख----- खान का नाम और पता या उसकी रबड़ मुद्रा

नियोजित व्यक्ति की अभिलिखित

मेरे द्वारा प्ररूप ख में फाईल किए गए नामनिर्देशन की द्वितीय प्रति, जिसे नियोजक ने सम्यक्तः प्रमाणित किया है, मैंने प्राप्त की।

स्थान----- नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर

तारीख-----

टिप्पणी—अंश शब्द या पैरा लागू नहीं होते हैं उन्हें काट डालिए।

प्ररूप ग

[नियम 2 ख का उपनियम (4) देखिए]

नया नामनिर्देशन

सेवा में,

(यहां खान के नाम और पूरे पते सहित नियोजक का नाम और पता दीजिए)

मैं-----जिसकी विशिष्टियां नीचे विवरण (पूरा नाम) हैं

में भी गई हैं। यह कथन करता हूँ कि मजदूरी संवाय (खान) नियम, 1956 के नियम 2 के खण्ड (छछ) के अर्थ में नीचे उपरिष्ठित रीति में-----तारीख से मेरा कुटुम्ब बन गया है। अतः मैं नीचे उल्लिखित व्यक्ति का नाम नामनिर्देशन, मजदूरी के रूप में मुझे देय सभी रकमें उस वशा में प्राप्त करने के लिए करता हूँ जब ऐसी रकमें उनके संवाय से पूर्व मेरी मृत्यु हो जाने के कारण या मेरा पता ठिकाना शान न होने के कारण मुझे संवाय न की जा सकी हो या संवत् न की जा सकती हों।

2. मैं प्रमाणित करता हूँ कि जिस व्यक्ति का मैंने नामनिर्देशन किया है वह उक्त नियमों के नियम 2 के खण्ड (छ) के अर्थ में मेरे कुटुम्ब का सदस्य है।

3. (क) मेरे पिता/माता/माता-पिता मुझ पर आश्रित नहीं है।

(ख) मेरे पति के पिता/माता/माता-पिता मेरे पति पर आश्रित नहीं है।

नाम निर्देशिनी

| नामनिर्देशिनी का नाम और पता | नियोजित व्यक्तियों के साथ नामनिर्देशिनी की नातेदारी | नाम निर्देशिनी की प्राप्ति साथ |
|-----------------------------|---|--------------------------------|
| 1 | 2 | 3 |

"कुटुम्ब" बन जाने की रीति

(यहाँ इस बात पर ध्यान दीजिए कि कुटुम्ब किस प्रकार बना है अर्थात्, विवाह द्वारा या माता-पिता के आश्रित हो जाने के कारण या दत्तक ग्रहण जैसी किसी अन्य प्रक्रिया के कारण)

विवरण

1. नियोजित व्यक्ति का पूरा नाम
2. लिंग
3. धर्म
4. क्या अविवाहित/विवाहित/विधवा/विधुर है
5. उस विभाग/शाखा/अनुभाग का नाम जिसमें नियोजित है
6. धारित पद तथा टिकट संख्या या क्रम संख्या यदि कोई है
7. नियुक्ति की तारीख
8. वर्तमान पता
9. स्थायी पता :

ग्राम _____ याता _____
 उप खण्ड _____ डाकखाना _____
 जिला _____ राज्य _____

स्थान _____ नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर
 तारीख _____ अंगूठे का निशान

साक्षियों द्वारा घोषणा

नए नामनिर्देशन पर मेरे समक्ष हस्ताक्षर किए गए अंगूठे का निशान लगाया गया।

निम्नलिखित का पूरा नाम और पता साक्षियों के हस्ताक्षर

- | | |
|----|----|
| 1. | 1. |
| 2. | 2. |

स्थान _____
 तारीख _____

नियोजक का प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त नामनिर्देशन की विधिष्ठियों का सत्यापन कर लिया गया है और उन्हें क्रम संख्या _____ पर प्ररूप ड० में नामनिर्देशन रजिस्टर में, अभिलिखित कर लिया गया है।

नियोजक / प्राधिकृत अधिकारी के
 हस्ताक्षर

पदनाम

खान का नाम और पता या उसकी

स्थान _____ खण्ड मुद्रा

तारीख _____

नियोजित व्यक्ति की अभिलिखित

मेरे द्वारा प्ररूप ग में फाईल किए गए नामनिर्देशन की द्वितीय प्रति, जिसे नियोजक के सम्पत्तः प्रमाणित किया है, मेने प्राप्त की।

स्थान _____

तारीख _____

नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर

टिप्पण :—जो शब्द या पैरा लागू नहीं होते हैं, उन्हें काट दीजिए।

प्ररूप घ

(नियम 2 ख का उपनियम (6) देखिए)

नामनिर्देशन का उपान्तरण

सेवा में,

(यहाँ खान का नाम और पूरे पते सहित नियोजक का नाम और पता दीजिए)

में, _____ जिसकी विशिष्टियां नीचे दी गई हैं,
 (पूरा नाम)

सूचना देता हूँ कि मैंने जो नामनिर्देशन तारीख _____ को फाईल किया है और जिसे आपके निर्देश सं० _____ पर तारीख _____ को अभिलिखित किया गया है, उसमें निम्नलिखित रूप से उपान्तरण किए जाएंगे :—

(यहाँ आशयित उपान्तरणों के ब्यौरे दीजिए)

विवरण

1. नियोजित व्यक्ति का पूरा नाम
2. लिंग
3. धर्म
4. क्या अविवाहित / विवाहित / विधवा विधुर है
5. उस विभाग शाखा अनुभाग का नाम जिसमें नियोजित है
6. धारित पद तथा टिकट संख्या या क्रम संख्या, यदि कोई है
7. नियुक्ति की तारीख
8. वर्तमान पता :
9. स्थायी पता :

ग्राम _____ याता _____
 उपखण्ड _____ डाकखाना _____
 जिला _____ राज्य _____

नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर /
 अंगूठे का निशान

स्थान _____

तारीख _____

साक्षियों द्वारा घोषणा

उपान्तरित नामनिर्देशन पर मेरे समक्ष हस्ताक्षर किए गए अंगूठे का निशान लगाया गया।

निम्नलिखित का पूरा नाम और पता साक्षियों के हस्ताक्षर

- | | |
|----|----|
| 1. | 1. |
| 2. | 2. |

स्थान _____

तारीख _____

नियोजक का प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त उपात्तरण अभिलिखित कर लिए गए हैं और उन्हें प्ररूप ड में नामनिर्देशन रजिस्टर में क्रम संख्याक पर अभिलिखित और प्रविष्टि कर लिया गया है।

नियोजित व्यक्ति की अभिलिखित

मेरे द्वारा प्ररूप घ में फाईल किए गए नामनिर्देशन का द्वितीय प्रति, जिससे नियोजक ने सम्यक्त. प्रमाणित किया है, वें प्राप्त का।

नियोजक/प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर
पदनाम

नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर

स्थान का नाम और पता या उनकी
रबड़ मुद्रा

स्थान

तारीख

स्थान

तारीख

टिप्पण :- जो शब्द या पैरा लागू नहीं होते हैं उन्हें काट दीजिए।

प्ररूप ड

[नियम 2ग का उपनियम (1) देखिए]

नामनिर्देशन रजिस्टर

स्थान का नाम और पता

नियोजक का नाम और पता

भाग-1

| क्रम सं० | नियोजित व्यक्ति का नाम और पूरा पता | नियोजन की प्रकृति | प्ररूप ख में प्रारम्भ में नाम-निर्देशित किए गए नाम-निर्देशितों का नाम और पूरा पता तथा तारीख | प्ररूप ग में नामनिर्देशित किए गए पश्चात्कृती नामनिर्देशितों का नाम और पूरा पता तथा तारीख | प्ररूप घ में किए गए नाम-निर्देशित की सूचनाओं से के उपात्तरणों के यदि कोई हैं, व्योरे और तारीख | टिप्पणिया |
|----------|------------------------------------|-------------------|---|--|---|-----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |

भाग-2 विनियम

इसमें प्ररूप ख में किए गए प्रत्येक नामनिर्देशन की, प्ररूप ग में किए गए प्रत्येक नए नामनिर्देशन तथा प्ररूप घ में नामनिर्देशन में किए गए उपात्तरण की सूचना की एक-एक प्रति भाग 1 में उपस्थित क्रम के अनुसार होगी।

प्ररूप 6 क

[नियम 19 क का उपनियम (2) देखिए]

प्रेषक : रजिस्ट्रीकृत

(यहाँ नियोजक का नाम और पूरा पता दीजिए)

सेवा में,

मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय),
श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग,
नई दिल्ली-110001

विषय :- असंवितरित मजदूरी की रकम का निक्षेप

महोदय,

मजदूरी संवाय (स्थान) नियम, 1956 के नियम 19क के उपनियम (2) के साथ पठित उपनियम (1) के अधीन यथाअपेक्षित रूप में मैं से आपके पक्ष में अभिप्राप्त

(बैंक का नाम और पता लिखिए)

रु० का क्रम मागदेय ड्राफ्ट

(अंकों में) (शब्दों में)

सं० (सं० का उल्लेख कीजिए) तारीख (तारीख का उल्लेख कीजिए)

ऊपर उल्लिखित रकमें वे रकमें हैं जो

(स्थान का नाम और पता लिखिए)

में नियोजित व्यक्तियों को मजदूरी के रूप में देय है तथा जा नियोजित

व्यक्ति (व्यक्तियों) द्वारा नामनिर्देशन न किए जाने के कारण या किसी अन्य कारणवश; नियोजित व्यक्ति (व्यक्तियों) के अपने अपने नामनिर्देशितों (नाम निदेशितियों) को ऐसी रकम भवत न हो जा सकने के कारण अवितरित रह गई है। सुसंगत व्योरे नीचे दिए गए हैं :-

1. सुसंगत मजदूरी अवधि की विशिष्टिया

(मजदूरी अवधि के व्योरे कीजिए)

2. ऐसे मामलों की संख्या जिनमें नामनिर्देशन न होने के कारण, नियोजित व्यक्ति को मजदूरी के रूप में देय सभी रकमें अवितरित रह गई हैं

(ऐसे मामलों का संख्या लिखिए)

3. मद 2 में निविष्ट मामलों में असंवितरित मजदूरीयों की कुल रकम

(अंकों में) (शब्दों में)

4. ऐसे मामलों की संख्या जिनमें मजदूरी के रूप में किसी नियोजित व्यक्ति को देय सभी रकमें, नियोजित व्यक्ति (व्यक्तियों) द्वारा नामनिर्देशित व्यक्ति (व्यक्तियों) को, संवत् नहीं की जा सकी है।

(ऐसे मामलों की संख्या लिखिए)

5. मव 4 में निर्दिष्ट मामलों में अर्ध-

वितरित मजदूरी की कुल रकम _____
(अंकों में) (शब्दों में)

6. मव 3 और 5 में निर्दिष्ट अर्ध-

वितरित मजदूरी की कुल रकम _____
(अंकों में) (शब्दों में)

भवदीय

नियोजक / प्राधिकृत अधिकारी के
हस्ताक्षर

स्थान _____ पदमान _____
तारीख _____ खान का नाम और पता या उसकी
रबड़ स्टाम्प

एक प्रति जिसके साथ संलग्नक नहीं है, जानकारी के लिए प्रादेशिक
श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) _____ को प्रेषित की गई।
(पता)

नियोजक / प्राधिकृत अधिकारी के
हस्ताक्षर पत्रनाम

खान का नाम और पता या उसकी
रबड़ मुद्रा

स्थान _____
तारीख _____

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION

(Department of Labour)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th April, 1984

G.S.R. 286(E):—The following draft of certain rules further to amend the Payment of Wages (Mines) Rules 1956 herein after referred to as the said rules which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-sections (2) and (3) of Section 26 read with section 24 of the Payment of Wages Act, 1936 (4 of 1936), is hereby published as required by sub-section (5) of section 26 of the said Act for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of three months from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

2. Any objection or suggestion which may be received from any person on the receipt of the said draft before the date so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

The Payment of Wages (Mines) Amendment Rules, 1983

1. These rules may be called the Payment of Wages (Mines) Amendment Rules, 1983.

2. In rule 2 of the Payment of Wages (Mines) Rules, 1956,—

(a) after clause (b), the following clause shall be inserted, namely :—

“(bb)” Chief Labour Commissioner (Central) “means an officer appointed as such by the Central Government”,

After clause (g), the following clause shall be inserted, namely :—

“(gg) “family” means,—

(i) in case of a male employed person, his wife, his children, whether married or unmarried, his dependent parents and his deceased sons, widows and children;

(ii) in case of a female employed person, her husband, her children, whether married or unmarried, her dependent parents, her husband's dependent parents and her deceased sons, widows and children”.

3. After rule 2A, the following rules shall be inserted namely :—

“2B Nominations.—(1) In case an employed person is already in employment on the date of commencement of the Payment of Wages (Mines) Amendment Rules, 1983 ordinarily within 60 days from such date, and in case an employed person has been employed after the date of commencement of the said rules, ordinarily within 30 days from the day he is employed, shall nominate a person conferring on him the right to receive all amounts payable to him as wages if such amounts could not or cannot be paid on account of his death before the payment or on account of his whereabouts not being known. The nomination shall be in Form B and submitted in duplicate by the employed person by personal service, after taking proper receipt thereof or by sending through registered post with acknowledgement due to the employer.

Provided that nomination in Form B shall be accepted by the employer even after the expiry of the specified period, if filed with reasonable grounds for delay and no nomination so accepted shall be invalid mainly because it was filed after the expiry of the specified period.

(2) Within 30 days of the receipt of the nomination in Form B under sub-rule (1), the employer shall get the service particulars of the employed person, as mentioned in the form of nomination, verified with reference to records of the mine and returned to the employed person, after obtaining a receipt thereof, the duplicate copy of the nomination in Form B duly attested either by the employer or an officer authorised in this behalf by him, as a token of recording of the nomination by the employer and the other copy of the nomination shall be recorded and filed in the manner prescribed in sub-rule (1) of rule 2C.

(3) If an employed person has a family at the time of making a nomination, the nomination shall be in favour of a person belonging to his family. Any nomination made by such employed person in favour of a person not belonging to his family, shall be void.

(4) If at the time of making a nomination, the employed person has no family, the nomination may be made in favour of any person but as soon as the employed person subsequently acquires a family, such nomination shall forthwith be deemed to be void and the employer person shall, within 30 days of acquiring a family, submit in the manner as specified in sub-rule (1), submit a fresh nomination in duplicate in Form C to the employer and thereafter the provisions of sub-rule (2) shall apply mutatis mutandis as if it was made under sub-rule (1).

(5) If the nominee pre-deceases the employed person, the interest of the nominee shall revert to the employed person who shall, within a period of thirty days from the death of the nominee, make fresh nomination in the manner hereinafter provided for.

(6) A notice of modification of a nomination including cases where a nominee pre-deceases an employed person, shall be submitted in duplicate in Form D to the employer in the manner specified in sub-rule (1) and thereafter the provisions of sub-rule (2) shall apply mutatis mutandis as if it was made under sub-rule (1).

(7) The employed person shall not nominate a person who is a minor.

(8) A nomination, a fresh nomination or a notice of modification of nomination shall be signed by the employed person or, if illiterate, bear his thumb impression in the presence of two witnesses who shall also sign a declaration to that effect in the nomination, fresh nomination, or a notice of modification of nomination as the case may be.

(9) A nomination, fresh nomination or a notice of modification of nomination shall take effect from the date of receipt thereof by the employer.

2 C. Register of nominations.—(1) The employer shall record and file all nominations, fresh nominations and notices of modification of nominations, as the case may be, in the register of nominations which shall be maintained chronologically by the employer in Form E.

(2) The register of nominations shall be maintained by the employer up to date and kept permanently at the work spot or where the employer experiences difficulty in keeping them at the work spot, at any other suitable place, as may be approved by the Regional Labour Commissioner (Central) in this behalf.

4. In sub-rule (1) of rule 6 of the said rules, after the words, 'Every register' the words, 'other than the register of nominations, shall be added.

5. The existing rule 9 shall be re-numbered as sub-rule (1) and the following sub-rule shall be inserted as sub-rule (2) of rule 9, namely :—

“(2) The Chief Labour Commissioner (Central) shall be the prescribed authority with whom amounts required to be deposited under clause (b) of sub-section (1) of section 25A of the Act, shall be deposited and who shall deal with the amounts so deposited in the manner prescribed in rule 19B”.

6. After rule 19, the following rules shall be inserted, namely :—

“19A Deposit of amounts of undisbursed wages.—(1) Where all amounts payable as wages to person employed in a mine remains undisbursed because either no nomination had been made by the employed person or for any reasons such amounts could not be paid to the nominee of the employer person until the expiry of one year from the date the same had become payable, all such amounts shall be deposited by the employer with the Chief Labour Commissioner (Central) before the expiry of the fifteenth day after the last day of the said period of one year.

(2) The amounts referred to in sub-rule (1) shall be deposited by the employer through crossed demand draft obtained from any Scheduled Bank in India drawn in favour of the Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi, and such demand draft shall be submitted by the employer to the Chief Labour Commissioner (Central) together with relevant details in Form VI-A by registered post simultaneously endorsing its copy to the Regional Labour Commissioner (Central) concerned.

19B Manner of dealing with the amounts.—(1) The amount deposited under rule 19A shall be applied by the Chief Labour Commissioner (Central) to meet the expenditure incurred in connection with the measures which, in his opinion are necessary or expedient to promote the welfare of persons employed in mines and in particular to defray the cost of measures for the benefit of persons employed in the mines directed towards,—

- (i) the provision and improvement of educational facilities;
- (ii) the provision and improvement of recreational facilities;
- (iii) the provision and improvement of family welfare including family planning;
- (iv) the provision and improvement of vocational training, rehabilitation of disabled and handicapped persons; and

(v) the provision and improvement of transport facilities.

(2) The expenditure incurred in connection with the measures referred to in sub-rule (1) either by an employer in relation to a mine or a trade union registered under the Trade Unions Act, 1926 of persons employed in a mine may be reimbursed to the person concerned by the Chief Labour Commissioner (Central) either wholly or partly at his discretion, provided he is satisfied that the expenditure has been actually incurred by that person for the bonafide purpose specified in the sub-rule (1).”

7. In Form V of the said rules,—

(a) for the figure “1,000” appearing at items 3(a), (b) and (d) and items 4 and 5, the figures, “1,600” shall be substituted;

(b) after item 7, following item shall be inserted namely :—

“8. No. of cases and amount of undisbursed wages deposited with the Chief Labour Commissioner (Central):

Persons receiving less than Rs. 1,600 per month

No. of cases Amount

(a) Cases in which wages remained undisbursed for want of nomination.

(b) Cases in which wages could not be paid to person nominated by employed persons (s) for any reason.”

8. In Form VII of the said rules—

(a) at item 1, for the figures, “200” the figures “1600” shall be substituted;

(b) in clause (a) of sub-item (2) of item 9, for the words, “naye paise in the rupee”, the words, “per cent of the wages payable to him in respect of that wage period in which fine is imposed” shall be substituted;

(c) at item 12, after the words, “Central Government” the words and brackets, “or the Chief Labour Commissioner (Central)” shall be added;

(d) after item 12, the following item shall be inserted, namely—

“12-A. Deductions can be made with the written authorisation of the employed person for payment of his contribution to any fund constituted by the employer or a trade union registered under the Trade Unions Act, 1926 for the welfare of the employed persons or the members of their families or both, and approved by the Central Government or any officer specified by it in this behalf, during the continuance of such approval”.

(e) after item 14, the following item shall be inserted, namely—

“14-A. Deductions can be made with the written authorisation of the employed person for payment of fees payable by him for the membership of any trade union registered under the Trade Unions Act, 1926;”

(f) at item 15, after the words, “approved by the Central Government”, the words and the brackets “or the Chief Labour Commissioner (Central)” shall be added before the words, “or to the postal insurance”;

(g) after item 19, the following words and items shall be inserted, namely—

PAYMENT OF UNDISBURSED WAGES

19A(1). If all amounts payable to an employed person as wages could not or cannot be paid on account of his death before payment or on account of his whereabouts not being known shall be paid to the person nominated by him in this behalf.

(2) Where wages remains undisbursed because either no nomination had been made by the employed person or for any reasons such amounts could not be paid to the nominee of the employed person until the expiry of one year from the date the same had become payable, all amounts of such undisbursed wages shall be deposited by the employer with the Chief

Labour Commissioner (Central) New Delhi before the expiry of the fifteenth day after the last day of the said period of one year.

Manner of dealing with deposited amounts

19B. (1) The amounts of undischarged wages deposited with the Chief Labour Commissioner (Central) shall be applied by him to meet the expenditure in connection with the measures to promote the welfare of persons employed in mines particularly to defray the cost of measures for the benefit of persons employed in mines such as the provision and improvement of educational, recreational and transport facilities, family welfare including family planning, vocational training, and rehabilitation of disabled and handicapped persons.

(2) The expenditure so incurred either by an employer in relation to a mine or a trade union or persons employed in a mine, registered under Trade Unions Act, 1926 may be reimbursed to the person concerned by the Chief Labour Commissioner (Central) either wholly or partly at his discretion.

[No. S-32012/8/82-WC(PW)]

Form B

[See sub-rule (1) of rule 2B]

Nomination

To

(Give here name and address of employer together with name and full address of the mine)

I.....
(name in full here)

whose particulars are given in the statement below hereby nominate the person mentioned below to receive all amounts payable to me as wages if such amounts could not or cannot be paid on account of my death before the payment or on account of my whereabouts not being known.

2. I hereby certify that the person nominated by me is a member of my family within the meaning of clause (gg) of rule 2 of the Payment of Wages (Mines) Rules, 1956.

3. I hereby declare that I have no family within the meaning of clause (gg) of rule 2 of the said rules and should I acquire a family hereafter, the above nomination shall be void and in that event I shall make a fresh nomination in Form C.

4. (a) My father/mother/parents is/are not dependent upon me.

(b) My husband's father/mother/parents is/are not dependent on my husband.

Nominee

| Name and address of the nominee | Nominee's relationship with the employed person | Age of nominee |
|---------------------------------|---|----------------|
| (1) | (2) | (3) |

Statement

1. Name of the employed person in full
2. Sex
3. Religion
4. Whether unmarried/married/widow/widower
5. Department/Branch/Section where employed
6. Post held with ticket number or, serial number if any
7. Date of appointment

74 GI/84-2

8. Present address.

9. Permanent address.

Village..... Thana..... Sub-division....

Post office..... District..... State.....

Place..... Signature/thumb impression of the
Date..... employed person

Declaration by witnesses

Nomination signed/thumb-impressioned before me.

Name in full and full address of Signature of witnesses;

1. 1.
2. 2.

Place.....

Date.....

Certificate by the employer

Certified that the particulars of the above nomination have been verified and recorded in the register of nominations in Form E at serial No.....

Signature of the employer/
officer authorised

Place.....

Designation

Date.....

Name and address of the mine
or rubber stamp thereof

Acknowledgement of the employed person

Received the duplicate copy of nomination in Form B filled by me and duly certified by the employer.

Place.....

Signature of the employed person

Date.....

Note : Strike out the words and paragraphs not applicable.

FORM C

[See sub-rule (4) of rule 2B]

Fresh nomination

To

(give here name and address of employer together with name and full address of the mine)

I.....
(name in full here)

whose particulars are given in the statement below have acquired a family within the meaning of clause (gg) of rule 2 of the Payment of Wages (Mines) Rules 1956 with effect from..... (date here).....(in the manner indicated below and therefore nominate a fresh person mentioned below to receive all amounts payable to me as wages if such amounts could not or cannot be paid on account of my death before the payment or on account of my whereabouts not being known.

2. I hereby certify that the person nominated by me is a member of my family within the meaning of clause (gg) of rule 2 of the said rules.

3. (a) My father/mother/parents is/are not dependent upon me.

(b) My husband's father/mother/parents is/are not dependent on my husband.

Nominee

| Name and address of the nominee | Nominee's relationship with the employed person | Age of nominee |
|---------------------------------|---|----------------|
| 1 | 2 | 3 |

MANNER OF ACQUIRING A "FAMILY"

(Here give details as to how a family was acquired, whether by marriage or parents being rendered dependent or through other process like adoption).

STATEMENT

1. Name of the employed person in full.
2. Sex.
3. Religion.
4. Whether married/unmarried/widow/widower.
5. Department/Branch/Section where employed.
6. Post held with ticket number or, serial number if any.
7. Date of appointment.
8. Present address.
9. Permanent address.

Village.....Thana.....Sub-division.....
Post office.....District.....State.....

Place.....Signature/thumb impression of
Date.....the employed person

Declaration of witnesses:

Fresh nomination signed/thumb impressioned before me.

Name in full and full address and Signature of witnesses

1. 1.
2. 2.

Place.....

Date.....

Certificate by the employer.

Certified that the particulars of the above nomination been verified and recorded in register of nominations in Form E at serial No.....

Signature of the employer/
officer authorised

Place.....

Designation

Date.....

Name and address of the mine
or rubber stamp thereof

Acknowledgement of the employed person

Received the duplicate copy of the nomination in Form-C filed by me and duly certified by the employer.

Signature of the employed
person

Place.....

Date.....

Note : Strik out the words and paragraph not applicable.

Form-D

[See sub-rule (6) of rule 2B]

Modification of Nomination.

To

(Give here name and address of employer together name and full address of the mine)

I.....
(name in full here)

Whose particulars are given below hereby give notice that the nomination filed by me on.....
and recorded under your reference no.....
.....date.....No.....
dated.....shall stand modified in the
following manner :—

(Here give details of the modifications intended)

Statement

1. Name of the employed person in full.
 2. Sex.
 3. Religion.
 4. Whether unmarried/married/widow/widower.
 5. Department/Branch/Section where employed.
 6. Post held with ticket number or serial number, if any.
 7. Date of appointment.
 8. Present address.
 9. Permanent address.
- Village.....Thana.....Sub-division.....
Post office.....District.....State.....

Place.....Signature/thumb impression of
Date.....the employed person,)

Declaration by witnesses :

Modification of nomination signed/thumb impressioned before me.

Name in full and full address of
witnesses

Signature of
Witnesses

1. 1.
2. 2.

Place.....

Date.....

Certificate by the employer:

Acknowledgement by the employed person:

Certified that the above modifications have been recorded and entered into in register of nominations in Form-E at serial No.....

Received the duplicate copy of the notice for modifications in Form-D filed by me on duly certified by the employer.

Place..... Signature of the employee or officer authorised
Date..... Designation
Name and address of the mine or rubber stamp thereof.

Signature of the employed person
Place.....
Date

Note: Strike out the words not applicable.

FORM-E

[See sub-rule (1) of rule 2C]

Register of nominations

Name and address of the mine..... Name and address of the employer.....

PART—I

| Serial No. | Name and complete address of the employed person | Nature of employment | Name and complete address of the nominee initially nominated in Form B with date | Name and address of the nominee subsequently nominated in Form C with date | Details of modifications if any specified in the notice of modification of the nomination given in Form D. with date | Remarks |
|------------|--|----------------------|--|--|--|---------|
| 1 | 2 | 3 | | 5 | 6 | 7 |

PART—II

It shall contain one copy each of the nomination in Form B and as the case may be, the fresh nomination in Form C and notice of modification of nomination in Form-D in serial order indicated in Part-I.

FORM VI-A

[See sub-rule (2) of rule 19A]

of the employed person(s). The relevant details are furnished hereunder.

From REGISTERED

(1) Particulars of the relevant wage-period

(Give here name and complete address of the employer

(mention the details of the wage period)

To

The Chief Labour Commissioner (Central)
Shram Shakti Bhawan,
Rafi Marg,
New Delhi (Pin. 110001).

(2) No. of cases in which all amounts payable to an employed person as wages, remained undischarged for want of nominations

Subjects:—Deposit of amount of undisbursed wages.

.....
(mention the number of such cases).

Sir,

(3) Total amounts of undisbursed wages in cases referred to in item 2 Rs..... (Rupees.....)
(mention the amounts in figures) (mention the amounts in words)

As required under sub-rule (1) read with sub-rule (2) of rule 19A of the Payment of Wages (Mines) Rules, 1956, I enclose the crossed demand draft bearing No.....
.....Dated.....
(mention the number) (Mention the date)
for Rs.....(Rupees.....)
(mention the amount in figures) (mention the amount in word drawn in your favour obtained from.....
.....(mention the name and the address of the bank
.....The above mentioned amounts represent all amounts payable as wages to persons employed in.....

(4) No. of cases in which all amounts payable to an employed person as wages, could not be paid to person(s) nominated by employed person(s).
.....
(mention the number of such cases)

(5) Total amounts of undisbursed wages in cases referred to in Item 4 Rs..... Rupees.....
(mention the amounts in figures) (mention the amounts in words)

(mention the name and address of the mine)
which remained undisbursed because either no nomination had been made by the employed person(s) or for any persons such amounts could not be paid to the respective nominee(s)

(6) Total amounts of un-disbursed wages referred to in items 3 and 5. Rs..... (Rupees..... (mention the amounts in figures) (mention the amounts in words)

Yours faithfully,

Signature of the employer/ officer authorised

Place

Designation

Dated

Name and address of the mine or rubber stand thereof

Copy without enclosures forwarded for information to the Regional Labour Commissioner (Central)..... (mention the address)

Signature of the employer/officer authorised
Place..... Designation

Dated

Name and address of the mine or rubber stand thereof

अधिसूचना

सा० का० नि० 287(अ) :—मजदूरी संदाय (वायु परिवहन सेवा) नियम, 1968 का, जिसे इनमें आगे "उक्त नियम" कहा गया है, और संशोधन करने के लिए, कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार मजदूरी संदाय अधिनियम, 1936 (1936 का 4) की धारा 24 के साथ पठित धारा 26 की उपधारा (2) और (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाना चाहती है, उक्त अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (5) की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है। इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीन मास की अवधि की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा।

2. ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर जो इस प्रकार विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व, उक्त प्रारूप की बाबत किसी व्यक्ति से, प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

प्रारूप नियम

मजदूरी संदाय (वायु परिवहन सेवा) संशोधन नियम, 1983

1. इन नियमों का नाम मजदूरी संदाय (वायु परिवहन सेवा) संशोधन नियम, 1983 है।

2. मजदूरी संदाय (वायु परिवहन सेवा) नियम, 1968 के नियम 2में,—

(क) खण्ड (ग) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

(गग) मुख्यश्रम आवृत्त (केन्द्रीय) से, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस रूप में नियुक्त कोई अधिकारी अभिप्रेत है;

(ख) खण्ड (झ) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

(झझ) कुटुम्ब से अभिप्रेत है —

(i) पुरुष नियोजित व्यक्ति के मामले में उसकी पत्नी, उसकी संतानें, चाहे वे विवाहित हैं या अविवाहित, उसके आश्रित माता-पिता और उसके मृतक पुत्रों की विधवाएं और संतानें;

(ii) स्त्री नियोजित व्यक्ति के मामले में उसका पति, उसकी संतानें, चाहे वे विवाहित हैं या अविवाहित, उसके आश्रित माता-पिता उसके पति के आश्रित माता-पिता और, उसके मृतक पुत्रों की विधवाएं और संतानें

3. नियम 3 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतः स्थापित किया जाएगा अर्थात् :—

3क. नामनिर्देशन—(1) यह नियोजित व्यक्ति, जो मजदूरी संदाय (वायु परिवहन सेवा) संशोधन नियम, 1983 के प्रारम्भ की तारीख को नियोजन में है, साधारणतया ऐसी तारीख से साठ दिन के भीतर और वह नियोजित व्यक्ति जो उक्त नियम के प्रारम्भ की तारीख के पश्चात् नियोजित किया जाता है, साधारणतया ऐसे नियोजन के दिन से तीस दिन के भीतर, किसी व्यक्ति का नामनिर्देशन करके उसे वे सभी रकमें प्राप्त करने का अधिकार प्रदान करेगा जो ऐसे नियोजित व्यक्ति को मजदूरी के रूप में देय है किन्तु जो संदाय किए जाने से पूर्व, नियोजित व्यक्ति को मृत्यु हो जाने का कारण या उसका पता ठिकाना ज्ञात न होने के कारण उसे नहीं दी जा सकती थी या नहीं दी जा सकती है। नियोजित व्यक्ति प्रारूप क में नामनिर्देशन, करके उसकी दो प्रतियां नियोजक पर, या तो व्यक्तिगत रूप से तामील करके और उसकी प्राप्ति की उचित रसीद प्राप्त करके या उसे रसीदी रजिस्ट्रीकृत डाक से भेज कर उसकी तामील करेगा :—

परन्तु नियोजक, प्रारूप क में नामनिर्देशन, ऐसे विनिर्दिष्ट अवधि के अवसान के पश्चात् भी, स्वीकार कर लेगा यदि उसके साथ बिलम्ब के उचित आधार प्रस्तुत किए जाते हैं और इस प्रकार स्वीकृत कोई भी नामनिर्देशन मुख्यतया इस कारण अवधिमान्य नहीं होगा कि वह ऐसी विनिर्दिष्ट अवधि के अवसान के पश्चात् फाइल किया गया है।

(2) उपनियम (1) के अधीन प्रारूप ख में नामनिर्देशन पत्र की प्राप्ति से तीस दिन के भीतर नियोजक, नियोजित व्यक्ति की, नामनिर्देशन प्रारूप में यथा उल्लिखित सेवा विधिप्रणालियां, वायु परिवहन सेवा के अभिलेखों के प्रति निर्देश से, सत्यापित करायगा और प्रारूप क में नामनिर्देशन पत्र की दूसरी प्रति, जिसे नियोजक ने या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी ने सम्यक् अनुप्रमाणित किया हो, नियोजित व्यक्ति को उससे उसकी प्राप्ति की रसीद लेकर, वापस कर देगा। यह वापसी इस बात की प्रतीक होगी कि नियोजक ने नामनिर्देशन अभिलिखित कर लिया है और नामनिर्देशन की अन्य प्रति नियम 3ख के उप नियम (1) में विहित रीति में अभिलिखित और फाइल की जाएगी।

3. (3) यदि नामनिर्देशन करते समय नियोजित व्यक्ति का कोई कुटुम्ब है तो नामनिर्देशन उसके कुटुम्ब के किसी व्यक्ति के ही पक्ष में किया जाएगा यदि कोई नामनिर्देशन ऐसे किसी व्यक्ति के पक्ष में किया जाता है जो नियोजित व्यक्ति के कुटुम्ब का व्यक्ति नहीं है तो वह शून्य होगा।

(4) यदि नामनिर्देशन करते समय नियोजित व्यक्ति का कोई कुटुम्ब नहीं है तो नामनिर्देशन किसी भी व्यक्ति के पक्ष में किया जा सकता है किन्तु यदि बाद में नियोजित व्यक्ति का कोई कुटुम्ब बन जाता है तो ऐसा नामनिर्देशन तुरन्त शून्य हुआ समझा जाएगा और नियोजित व्यक्ति, कुटुम्ब बनने से तीन दिन के भीतर, उपनियम (1) में यथा विनिर्दिष्ट रीति में नियोजक को प्रारूप में ख में दो प्रतियों में एक नया नामनिर्देशन पत्र प्रस्तुत करेगा और तत्पश्चात् उप नियम (2) के उपबंध यथावश्यक परिवर्तनों सहित उसी प्रकार लागू होंगे मानो नामनिर्देशन उपनियम (1) के अधीन किया गया हो।

(5) यदि नामनिर्देशित की मृत्यु नियोजित व्यक्ति के पूर्व हो जाती है तो नामनिर्देशित की हित नियोजित व्यक्ति को प्रतिवर्तित हो जाएगा और नियोजित व्यक्ति, नामनिर्देशित की मृत्यु के दिन से तीस दिन की अवधि के भीतर, इसमें आगे उपबंधित रीति में, नया नामनिर्देशन करेगा

(6) नामनिर्देशन में उपांतरण की सूचना जितने अतन्त्र ऐसे मामले भी है जिनमें नाम निर्देशित की मृत्यु नियोजित व्यक्ति से पहले हो जाती है, नियोजक को प्रत्येक ग में दो प्रतियों में उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट रीति में दी जाएगी और तत्पश्चात् उपनियम (2) के उपबंध यथावश्यक परिवर्तन सहित उसी प्रकार लागू होंगे मानो नामनिर्देशन उपनियम (1) के अधीन किया गया हो।

(7) नियोजित व्यक्ति किसी अप्राप्तव्य व्यक्ति को नाम-निर्देशित नहीं करेगा।

(8) नामनिर्देशन, नए नामनिर्देशन या नामनिर्देशन में उपांतरण की सूचना पर नियोजित व्यक्ति हस्ताक्षर करेगा और यदि वह साक्षर नहीं है तो वह उस पर अपने अंगुष्ठ का निशान लगाएगा। ऐसे हस्ताक्षर या अंगुष्ठ का निशान दो साक्षियों की उपस्थिति में लगाया जाएगा जो, यथा स्थिति, नामनिर्देशन, नए नामनिर्देशन या नामनिर्देशन पत्र में उपांतरण की सूचना में धन भाव की एक घोषणा पर भी हस्ताक्षर करेंगे।

(9) नामनिर्देशन, नए नामनिर्देशन या नामनिर्देशन में उपांतरण की सूचना उस तारीख से प्रभावी होगी जिस तारीख को वे नियोजक को प्राप्त होते हैं।

अब. नामनिर्देशन-रजिस्टर (1) नियोजक नामनिर्देशन रजिस्टर में, यथास्थिति, नामनिर्देशन पत्र, नए नामनिर्देशन पत्र और नामनिर्देशन पत्रों में उपांतरण की सूचनाएं अधिलिखित करेगा। इस रजिस्टर को नियोजक प्रत्येक घ में कालानुक्रम में रखेगा।

(2) नियोजक नामनिर्देशन रजिस्टर अद्यतन रूप में रखेगा और स्थायी रूप से उसे कार्यस्थल पर रखेगा या यदि वह ऐसे रजिस्टर को कार्यस्थल पर रखने में कोई अशुविधा महसूस करता है तो वह ऐसा रजिस्टर ऐसे किसी उपयुक्त स्थान पर रखेगा जिसे प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) इस निमित्त अनुमोदित करे।

4. उक्त नियमों के नियम 8 के उपनियम (1) में, प्रत्येक रजिस्टर शब्दों के पूर्व नामनिर्देशन रजिस्टर से शिष्ट शब्द जोड़ दिए जाएंगे।

5. विद्यमान नियम 9 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

9क. विहित प्राधिकारी—मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) ऐसा विहित प्राधिकारी होगा जिसके पास, अधिनियम की धारा 25 क की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन निक्षिप्त किए जाने के लिए अपेक्षित रकम निक्षिप्त की जाएगी और वह इस प्रकार निक्षिप्त की रकमों को नियम 18 ख में विहित रीति में भरतेगा।

6. नियम 18 के उपनियम (2) में, खण्ड (i) और (ii) का लोप किया जाएगा और खण्ड (iii) तथा (iv) को खण्ड (i) और (ii) के रूप में पुनः संस्थापित किया जाएगा।

7. नियम 18 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

18क असंवितरित मजदूरी की रकमों का निक्षेप—

(1) यदि किसी वायु परिवहन सेवा में नियोजित व्यक्ति को मजदूरी के रूप में देय सभी रकमों इस कारण असंवितरित रह जाओ है कि या तो नियोजित व्यक्ति ने कोई नामनिर्देशन नहीं किया है या ऐसी रकमों देय हो जाने की तारीख से एक वर्ष के पश्चात् तक नियोजित व्यक्ति के नामनिर्देशित को किसी कारण-वश संवत नहीं की जा सकी है तो नियोजक ऐसी सभी रकमों, उक्त एक वर्ष की अवधि के अंतिम दिवस के पश्चात् से पन्द्रह दिन के अवसान से पूर्व नियोजक मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) के पास निक्षिप्त कर देगा।

(2) नियोजक उपनियम (1) में निर्दिष्ट रकमों मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), नई दिल्ली के पास में भारत में किसी अनुसूचित श्रक में प्राप्त कामकाज मांग देय ड्राफ्ट द्वारा निक्षिप्त करेगा और ऐसा मांगदेय ड्राफ्ट नियोजक मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) को, प्रत्येक घ में सुसंगत व्ययों के साथ, रजिस्ट्रीकृत डाक से भेजेगा और उसके साथ ही उसकी एक प्रति संबंधित प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) को भी भेजेगा।

18-ख रकमों को बरतने की रीति :

(1) मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) नियम 18 क के अधीन निक्षिप्त रकमों का उपयोग ऐसे उपायो के संबंध में उपगत व्ययों को पूरा करने के लिए करेगा जो उसकी राय में वायु परिवहन सेवा में नियोजित व्यक्तियों के कल्याण की अभिवृद्धि करने के लिए आवश्यक या समीचीन हैं और विनिर्दिष्ट: उनका उपयोग वायु परिवहन सेवा में नियोजित व्यक्तियों के फायदे के लिए निम्नलिखित कार्यों पर करेगा, अर्थात् :—

(i) शैक्षिक सुविधाओं की व्यवस्था और सुधार;

(ii) आमोद-प्रमोद से संबंधित सुविधाओं की व्यवस्था और सुधार

(iii) परिवार नियोजन और परिवार कल्याण का व्यवस्था और सुधार

(iv) व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा अक्षरता और विकलांग व्यक्तियों के पुनर्वासन की व्यवस्था और सुधार

(iv) परिवहन सुविधाओं की व्यवस्था और सुधार।

(2) किसी वायु परिवहन सेवा के संबंध में नियोजक द्वारा या किसी वायु परिवहन सेवा में नियोजित व्यक्तियों के ऐसे व्यवसाय संघ द्वारा जो व्यवसाय संघ अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्ट्रीकृत है, उपनियम (1) में निर्दिष्ट उपायों के संबंध में उपगत व्यय की संबंधित व्यक्ति को प्रतियुति, मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) स्वविवेकानुसार, पूर्णतः या भागतः कर सकता है परन्तु यह तब जब उसका यह समाधान हो जाए कि संबंधित व्यक्ति ने ऐसा व्यय उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट किसी सद्भाविक प्रयोजन के लिए ही वस्तुतः उपगत किया है।

8. उक्त नियमों के प्रत्येक 8 में,—

(क) मद 3 के खण्ड (क), (ख) और (ग) तथा मद 4 और 5 में प्रयुक्त “4,00” अंकों के स्थान पर “1,600” अंक रखे जाएंगे;

(ख) मद 7 के पश्चात् निम्नलिखित मद अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

8. मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) के पास निक्षिप्त असंवितरित मजदूरी के मामलों की संख्या और रकम :

1,600 रु० प्रति मास से कम पाने वाले व्यक्ति

मामलों की संख्या

रकम

(क) वे मामले जिनमें नाम-निर्देशन न होने के कारण मजदूरियां असंवितरित रह गई हैं।

(ख) वे मामले जिनमें मजदूरियां, नियोजित व्यक्ति (व्यक्तियों) द्वारा नामनिर्देशित व्यक्ति (व्यक्तियों) को किसी कारण-वश संवत नहीं की जा सकी है।

9. उक्त नियमों के प्रत्येक 11 में,—

(क) मद 1 में, 400 अंकों के स्थान पर, 1600 अंक रखे जाएंगे;

(ख) भव 9 की उपमद (2) के खण्ड (क) में, "प्रति रुपया नौ पैसे" शब्दों के स्थान पर उस मजदूरी अवधि के सबंध में जिसमें जर्माना अधिरोपित किया गया है, उसे देय मजदूरी के 9 प्रतिशत शब्द रखे जायेंगे।

(ग) मद 12 में, केन्द्रीय सरकार शब्दों के पश्चात् या मुख्य श्रम प्रायुक्त (केन्द्रीय) शब्द और कोष्ठक जोड़ दिए जाएंगे।

(घ) मद 12 के पश्चात् निम्नलिखित मद अंत स्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

12-क नियोजित व्यक्ति के लिखित प्राधिकार से ऐसी किसी निधि में जो या तो नियोजक ने या व्यवसाय सघ अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्ट्रीकृत किसी व्यवसाय सघ ने, नियोजित व्यक्तियों या उनके कुटुम्ब के सदस्यों या दोनों के कल्याण के लिए गठित की है और जिसे केन्द्रीय सरकार ने या इस निमित्त उसके द्वारा विनिर्दिष्ट किसी अधिकारी ने अनुमोदित किया है, उसके अधिदान के सदाय के लिए कटौतियाँ, ऐसे अनुमोदन के बने रहने के दौरान की जा सकती हैं,

(इ) मद 14 के पश्चात् निम्नलिखित मद अंत स्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

14-क नियोजित व्यक्ति के लिखित प्राधिकार से, व्यवसाय सघ अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्ट्रीकृत किसी व्यवसाय सघ की सदस्यता के लिए नियोजित व्यक्ति द्वारा देय फीसों के सदाय के लिए, कटौतियाँ की जा सकती हैं;

(च) मद 15 में, केन्द्रीय सरकार शब्दों के पश्चात् या मुख्य श्रम प्रायुक्त (केन्द्रीय) शब्द और कोष्ठक जोड़ दिए जाएंगे,

(छ) मद 19 के पश्चात् निम्नलिखित शब्द और मदे अंत स्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

असंवितरित मजदूरी का सदाय

19-क (1) यदि मजदूरी के रूप में किसी नियोजित व्यक्ति को देय सभी रकमों का संदाय, ऐसे संदाय से पूर्व नियोजित व्यक्ति की मृत्यु हो जाने के कारण या उसका पता ठिकाना ज्ञात न होने के कारण नहीं किया जा सकता है या नहीं किया जा सका है तो ऐसी रकम का सदाय उस व्यक्ति को कर दिया जाएगा जिसे ऐसे नियोजित व्यक्ति ने इस निमित्त नामनिर्देशित किया है।

(2) यदि मजदूरी इस कारण असंवितरित रह जाती है कि नियोजित व्यक्ति ने कोई नामनिर्देशन नहीं किया है या ऐसी रकम नियोजित व्यक्ति के नाम निर्देशित की, ऐसी रकमों के देय होने की तारीख से एक वर्ष के अवसान के पश्चात् तक, संवत नहीं की जा सकती है, तो नियोजक ऐसी असंवितरित मजदूरी की सभी रकमों के एक वर्ष की अवधि के अन्तिम दिन के पश्चात् से 15 दिन के अवसान से पूर्व नियोजक मुख्य श्रम प्रायुक्त (केन्द्रीय), नई दिल्ली के पास निक्षिप्त कर देगा।

निक्षिप्त रकमों को भरवाने की रीति

19-ख (1) मुख्य श्रम प्रायुक्त (केन्द्रीय) अपने पास निक्षिप्त असंवितरित मजदूरी की रकमों का उपयोग ऐसे उपायों के सबंध में व्यय को पूरा करने के लिए करेगा जो वायु परिवहन सेवा के किसी स्थापनों में नियोजित व्यक्तियों

के कल्याण की अभिवृद्धि करने के लिए किए जाते हैं और विनिर्दिष्ट उनका उपयोग वायु परिवहन सेवा के किसी स्थापनों में नियोजित व्यक्तियों के फायदे के लिए किए गए उपायों के खर्च को, उवाहरणार्थ, नियोजित व्यक्तियों की शिक्षा आभोव-प्रमोद और परिवहन सुविधाओं, परिवार नियोजन और परिवार कल्याण, व्यावसायिक प्रशिक्षण और ग्रन्थ तथा विकलांग व्यक्तियों के पुनर्वास की व्यवस्था और सुधार कार्य के खर्च को पूरा करने के लिए किया जाएगा।

(2) कि वायु परिवहन सेवा या वायु परिवहन सेवा के सबंध में किसी स्थापन में नियोजित व्यक्तियों के किसी ऐसे व्यवसाय सघ के सबंध में, जो व्यवसाय सघ अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्ट्रीकृत है, किसी नियोजक द्वारा इस प्रकार उपगत व्यय की सबंधित व्यक्ति को प्रतिपूर्ति मुख्य श्रम प्रायुक्त (केन्द्रीय), स्वविवेकानुसार पूर्णतः या भागतः कर सकता है।

[संख्या एस-31012/8/82-डब्ल्यू०सी० (पी० डब्ल्यू०)]

प्ररूप क

[नियम 3-क का उपनियम (1) देखिए]

नामनिर्देशन

सेवा में,

(यहां स्थापन का नाम और पूरे पते के साथ तथा नियोजक का नाम और पता दीजिए)

मैं जिसकी विशिष्टियाँ नीचे विवरण (पूरा नाम)

में दी गई है, नीचे उल्लिखित व्यक्ति का नामनिर्देशन, मजदूरी के रूप में मुझे देय सभी रकमों उस दशा में प्राप्त करने के लिए करता हूँ जब ऐसी रकम, उन के संदाय से पूर्व मेरी मृत्यु हो जाने के कारण या मेरा पता ठिकाना ज्ञात न होने के कारण ऐसी रकमों में से संवत नहीं की जा सकती है या संवत नहीं की जा सकती है।

2 मैं प्रमाणित करता हूँ कि जिस व्यक्ति का मैंने नामनिर्देशन किया है वह मजदूरी संदाय (वायु परिवहन सेवा) नियम, 1968 के नियम 2 में खण्ड (अ) के अन्तर्गत मेरे कुटुम्ब का सदस्य है।

3 मैं घोषणा करता हूँ कि उक्त नियमों के नियम 2 के खण्ड (अ) के अर्थ में मेरा कोई कुटुम्ब नहीं है और यदि भविष्य में मेरा कोई कुटुम्ब बन जाता है तो उक्त नामनिर्देशन शून्य हो जाएगा और उस दशा में मैं प्ररूप ख में एक नया नामनिर्देशन करूंगा।

4. (क) मेरे पिता/माता/माता-पिता मृत पर आश्रित नहीं है।

(ख) मेरे पति के पिता/माता/माता-पिता मेरे पति पर आश्रित नहीं है।

नामनिर्देशित

नामनिर्देशित का नाम और नियोजित व्यक्तियों के साथ नामनिर्देशित की वायु पता नामनिर्देशित की नातेदारी

| | 1 | 2 | 3 |
|----|---|---|---|
| 1. | | | |
| 2. | | | |
| 3. | | | |

विवरण

1. नियोजित व्यक्ति का पूरा नाम
2. लिंग
3. धर्म
4. क्या अविवाहित/विवाहित/विधवा/विधुर है।
5. उस विभाग (शाखा) अनुभाग का नाम जिसमें नियोजित है
6. धारित पद तथा निकट संख्यांक या क्रम संख्यांक, यदि कोई है।
7. नियुक्ति की तारीख
8. वर्तमान पता :
9. स्थायी पता :

ग्राम थाना
उप-खण्ड जिला राज्य

स्थान नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर
तारीख अंगूठे का निशान

साक्षियों द्वारा घोषणा

नामनिर्देशन पर मेरे समक्ष हस्ताक्षर किए गए अंगूठे का निशान लगाया गया।

निम्नलिखित का पूरा नाम और पता :— साक्षियों के हस्ताक्षर

- | | |
|----|----|
| 1. | 1. |
| 2. | 2. |

स्थान
तारीख

नियोजक का प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त नामनिर्देशन की विशिष्टियों का सत्यापन कर लिया गया है और उन्हें क्रम संख्यांक पर प्ररूप ४ में नामनिर्देशन रजिस्टर में अभिलिखित कर लिया गया है।

नियोजक (प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर)

स्थान

तारीख पथनाम

स्थापन का नाम और पता या उसकी
उबड़ मुड़ा

नियोजित व्यक्ति की अभिस्वीकृति

मेरे द्वारा प्ररूप ४ में फाइल किए गए नामनिर्देशन की द्वितीय प्रति जिसे नियोजक ने सम्पूणतः प्रमाणित किया है, मैंने प्राप्त की।

स्थान नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर
तारीख

टिप्पण—जो शब्द या पैरा लापस नहीं होते हैं उन्हें काट दीजिए।

प्ररूप-ख

[नियम 3(क) का उपनियम (4) देखिए]

नया नामनिर्देशन

सेवा में

(यहां स्थापन के नाम और पूरे पते सहित नियोजक का नाम और पता दीजिए)

मैं का जिनकी विशिष्टियों नीचे विवरण
(पूरा नाम)

में दी गई हैं, यह कथन करता हूं कि मजदूरी संदाय (बाबू परिवहन सेवा) नियम, 1968 के नियम 2 के खण्ड (अ) के अर्थ में नीचे उपरिस्थित रीति में तारीख से मेरा कुटुम्ब बन गया है। अतः मैं नीचे उल्लिखित व्यक्ति का नया नामनिर्देशन, मजदूरी के रूप में मुझे देय सभी रकमों उस वशा में प्राप्त करने के लिए करता हूं जब ऐसी रकमों, उनके रकमों के संदाय से है पूर्व मेरी मृत्यु हो जाने के कारण या मेरा पता ठिकाना शात न होने के कारण मुझे संदत न की जा सकी है या संदत नहीं की जा सकती है।

2. मैं प्रमाणित करता हूं कि जिस व्यक्ति का मैंने नामनिर्देशन किया है वह उक्त नियमों के नियम 2 के खण्ड (अ) के अर्थ में मेरे कुटुम्ब का सदस्य है।

3. (क) मेरे माता/पिता-माता मुझ पर आश्रित नहीं हैं।

(ख) मेरे पति के पिता माता/माता-पिता मेरे पति आश्रित नहीं हैं।

नाम-निर्देशिनी

| नामनिर्देशिनी का नाम और पता | नियोजित व्यक्तियों के साथ नामनिर्देशिनी की नाते-बारी | नामनिर्देशिनी की आयु |
|-----------------------------|--|----------------------|
| 1 | 2 | 3 |

कुटुम्ब बन जाने की रीति

(यहां इस बात ब्योरे दीजिए कि कुटुम्ब किस प्रकार बना है अर्थात्, विवाह द्वारा या माता-पिता के आश्रित हो जाने के कारण या दत्तक ग्रहण जैसी किसी अन्य प्रक्रिया के कारण)

विवरण

1. नियोजित व्यक्ति का पूरा नाम :

2. लिंग :

3. धर्म :

4. क्या अविवाहित (विवाहित) विधवा/विधुर हैं :

5. उस विभाग (शाखा) अनुभाग का नाम जिसमें नियोजित है:

6. धारित पद तथा टिकट संख्यांक या क्रम संख्यांक, यदि कोई है:

7. नियुक्ति की तारीख:

8. वर्तमान पता:

9. स्थायी पता:

ग्राम थाना उप-खण्ड
बाकबाना जिला राज्य

स्थान नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर/अंगूठे का निशान
तारीख

माक्षिमा द्वारा घोषणा

विवरण

नए नामनिर्देशन पर मेरे समक्ष हस्ताक्षर किए गए। अंगूठे का निशान लगाया गया।

निम्नलिखित का पूरा नाम और पता : साक्षियों के हस्ताक्षर

- | | |
|----|----|
| 1. | 1. |
| 2. | 2. |

स्थान—

तारीख—

नियोजक का प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त नामनिर्देशन की विशिष्टियों का सत्यापन कर लिया गया है और उन्हें क्रम संख्यांक — पर, प्ररूप ष में नामनिर्देशन रजिस्टर में, अभिलिखित कर लिया गया है।

नियोजक प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर
पदनाम

स्थापन का नाम और पता या
उसकी रबड़ मुद्रा

स्थान —

तारीख —

नियोजित व्यक्ति की अभिलिखित

मेरे द्वारा प्ररूप ष में फाइल किए गए नामनिर्देशन की द्वितीय प्रति, जिसे नियोजक ने सम्यक्तः प्रमाणित किया है, मैंने प्राप्त की।

नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर

स्थान —

तारीख —

टिप्पण — जो शब्द या पैरा लागू नहीं होते हैं उन्हें काट दीजिए।

प्ररूप ग

[नियम 3 क का उपनियम (6) देखिए]

नामनिर्देशन का उपांतरण

सेवा में

(यहां स्थापन के नाम और पूरे पते सहित नियोजक का नाम और पता लिखिए)

में जिसकी विशिष्टियों नीचे दी

(पूरा नाम)

गई है, सूचना देता हूं कि मैंने जो नामनिर्देशन तारीख को फाइल किया है और जिसे आपके निर्देश संख्या पर तारीख को अभिलेख में प्रविष्ट किया गया है, उनमें निम्नलिखित रूप में उपान्तरित किए जाते :

(यहां आशयित उपान्तरणों के ब्योरे दीजिए)

1. नियोजित व्यक्ति का पूरा नाम :

2. लिंग :

3. धर्म :

4. क्या अधिवाहित (विवाहित/विधवा) विधुर है :

5. उस विभाग (शाखा) अनुभाग का नाम जिसमें नियोजित है :

6. धारित पद का टिकट संख्यांक या क्रम संख्यांक, यदि कोई है।

7. नियुक्ति की तारीख

8. वर्तमान पता :

9. स्थायी पता :

ग्राम थाना उपखण्ड

ज़िल्ला राज्य

स्थान नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर/अंगूठे के निशान

तारीख

माक्षिमा द्वारा घोषणा

उपान्तरित नामनिर्देशन पर मेरे समक्ष हस्ताक्षर किए गए अंगूठे का निशान लगाया गया।

निम्नलिखित का पूरा नाम और पता : साक्षियों के हस्ताक्षर :

- | | |
|----|----|
| 1. | 1. |
| 2. | 2. |

स्थान

तारीख

नियोजक का प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त उपांतरण अभिलिखित कर लिए गए हैं और उन्हें प्ररूप ष में नामनिर्देशन रजिस्टर में क्रम संख्यांक पर अभिलिखित और प्रविष्ट कर लिया गया है।

नियोजक/प्राधिकृत अधिकारी के
हस्ताक्षर
पदनाम

स्थापन का नाम और पता या
उसकी रबड़ मुद्रा

स्थान

तारीख

नियोजित व्यक्ति की अभिलिखित

मेरे द्वारा प्ररूप ग में फाइल किए गए नामनिर्देशन की द्वितीय प्रति, जिसे नियोजक ने सम्यक्तः प्रमाणित किया है, मैंने प्राप्त की।

नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर

स्थान

तारीख

टिप्पण—जो शब्द या पैरा लागू नहीं होते हैं उन्हें काट दीजिए।

प्रकृष ब

[नियम 3 ख का उपनियम (1) देखिए]

नामनिर्देशन रजिस्टर

स्थापना का नाम और पता

नियोजक का नाम और पता

भाग-1

| क्रम सं० | नियोजित व्यक्ति का नाम और पूरा पता | नियोजन की प्रकृति | प्रकृष क में प्रारम्भ में नाम-निर्देशित किए गए नाम-निर्देशिनी का नाम और पूरा पता तथा तारीख | प्रकृष ख में नाम-निर्देशित किए गए परन्तुवर्ती नाम-निर्देशिनी का नाम और पूरा पता तथा तारीख | प्रकृष ग में किए गए नाम-निर्देशन के उपास्तरण की सूचनाओं में विनिर्दिष्ट उपास्तरणों के, यदि कोई हैं, व्योरे और तारीख | |
|----------|------------------------------------|-------------------|--|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |

भाग-II

इसमें प्रकृष क में किए गए प्रत्येक नामनिर्देशन, प्रकृष ख में किए गए प्रत्येक नए नामनिर्देशन तथा प्रकृष ग में नामनिर्देशन में किए गए उपास्तरण की सूचना की एक-एक प्रति भाग I में उपर्युक्त क्रम के अनुसार होगी।

प्रकृष क

[नियम 18क का उपनियम (2) देखिए]

प्रेषक :

रजिस्ट्रीकृत

(यहां नियोजक का नाम और पूरा पता दीजिए)

सेवा में

मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय)
श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग,
नई दिल्ली-110001

विषय—असंश्लिष्ट मजदूरी की रकम का निक्षेप

सहाय्य,

मजदूरी संदाय (ग्राम परिवर्द्धन सेवा) नियम, 1968 के नियम 18क के उपनियम (2) के साथ पठित उपनियम (1) के अधीन तथा अपेक्षित रूप से

(हैंक का नाम और पता लिखिए)

में अधिप्राप्त रु० का काम मांगेय
(अंकों में) (शब्दों में)

कृपट संख्या तारीख
(नं० का उल्लेख कीजिए)

..... संलग्न करता हूं। (तारीख का उल्लेख कीजिए)

ऊपर उल्लिखित रकम के रकमें हैं जो

(स्थापन का नाम और पता लिखिए)

में नियोजित व्यक्तियों को मजदूरी के रूप में देय है तथा जो नियोजित व्यक्ति (व्यक्तियों) द्वारा नामनिर्देशन न किए जाने के कारण या किसी अन्य कारणवश, नियोजित व्यक्ति (व्यक्तियों) के अपने-आपने नाम-निर्देशिनी (नाम निर्देशनियों) को ऐसी रकम संवत् न की जा सकने के कारण, असंश्लिष्ट रह गई है। सुसंगत व्योरे नीचे दिए गए हैं:—

1. सुसंगत मजदूरी अधिष की विनिर्दिष्टियां
(मजदूरी अधिष के व्योरे दीजिए)

2. ऐसे मामलों की संख्या जिनमें नामनिर्देशन न होने के कारण नियोजित व्यक्ति को मजदूरी के रूप में देय सभी रकमें असंश्लिष्ट रह गई है

(ऐसे मामले की संख्या लिखिए)

3. सब 2 में निविष्ट मामलों में असंश्लिष्ट मजदूरियों की कुल रकम

रु० रु०
(अंकों में) (शब्दों में)

4. ऐसे मामलों की संख्या जिनमें मजदूरी के रूप में किसी नियोजित व्यक्ति को देय सभी समस्त रकमें, नियोजित व्यक्ति (व्यक्तियों) द्वारा नामनिर्देशित व्यक्ति (व्यक्तियों) को संवत् नहीं की जा सकी है:

5. सब 4 में निविष्ट मामलों में ही असंश्लिष्ट मजदूरी की कुल रकम

रु० रु०
(अंकों में) (शब्दों में)

6. सब 3 और 5 में निविष्ट असंश्लिष्ट मजदूरी की कुल रकम

(अंकों में) (शब्दों में)

स्थान

तारीख

अध्वीय,

(नियोजक)

प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर
पदनाम, स्थापन का नाम और पता
या उसकी रबड़ मुद्रा

एक प्रति जिसके साथ संलग्न नहीं है, जानकारी के लिए प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) को अधिष की गई।

(पता)

नियोजक/प्राधिकृत अधिकारी के
हस्ताक्षर
पदनाम
स्थापन का नाम और पता या
उसकी रबड़ मुद्रा

स्थान

तारीख

NOTIFICATION

G.S.R. 287(E).—The following draft of certain rules further to amend the Payment of Wages (Air Transport Services) Rules 1968 hereinafter referred to as the said rules, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (2) and (3) of section 26 read with section 24 of the Payment of Wages Act 1936 (4 of 1936) is hereby published as required by sub-section (5) of section 26 of the said Act for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of three months from the date of the publication of this notification in the official gazette.

2. Any objection or suggestion which may be received from any person on the receipt of the said draft before the date so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

Payment of Wages (Air Transport Services) Amendment Rules 1983.

(1) These rules may be called the Payment of Wages (Air Transport Services) Amendment Rules 1983.

(2) In rule 2 of the Payment of Wages (Air Transport Services) Rules 1968, "(a) after clause (c), the following shall be inserted, namely: '(cc) 'Chief Labour Commissioner (Central)' means an officer appointed as such by the Central Government;'

(b) after the clause (i), the following clause shall be inserted, namely: "(ii) 'family' means—

(i) in case of a male employed person, his wife, his children, whether married or unmarried, his dependent parents and deceased sons' widows' and children;

(ii) in case of a female employed person, her husband, her children, whether married or unmarried, her dependent parents, her husband's dependent parents and her deceased sons' widows' and children";

3. After rule 3, the following rules shall be inserted, namely:—

"3A. Nominations. (1) in case an employed person is already in employment on the date of commencement of the Payment of Wages (Air Transport Services) Amendment Rules 1983 ordinarily within 60 days from such date, and in case an employed person has been employed after the date of the commencement of the said rules, ordinarily within 30 days from the day he is employed shall nominate a person conferring on him the right to receive all amounts payable to him as wages, if such amounts could not or can not be paid on account of his death before the payment or on account of his whereabouts not being known. The nomination shall be in Form A and submitted in duplicate by the employed person by personal service, after taking proper receipt thereof or by sending through registered post with acknowledgement due to the employer.

Provided that nomination in Form A shall be accepted by the employer even after the expiry of the specified period if filed with reasonable grounds for delay and no nomination so accepted shall be invalid mainly because it was filed after the expiry of the specified period.

(2) Within 30 days from the receipt of the nomination in Form A under sub-rule (1), the employer shall get the service particulars of the employed person as mentioned in the form of nomination, verified with reference to records of the Air Transport Services and returned to the employed person after obtaining a receipt thereof, the duplicate copy of the nomination in Form A duly attested either by the employer or an officer authorised in this behalf by him as a token of recording of the nomination by the employer and the other copy of the nomination shall be recorded and filed in the manner prescribed in sub-rule (1) of rule 3B.

(3) If an employed person has a family at the time of making a nomination, the nomination shall be in favour of a per-

son belonging to his family. Any nomination made by such employed person in favour of a person not belonging to his family shall be void.

(4) If at the time of making a nomination, the employed person has no family, the nomination may be made in favour of any person but as soon as the employed person subsequently acquires a family, such nomination shall forthwith be deemed to be void and the employed person shall, within 30 days of acquiring a family, submit in the manner as specified in sub-rule (1) a fresh nomination in duplicate in Form B to the employer and thereafter the provisions of sub-rule (2) shall apply mutatis mutandis, as if it was made under sub-rule (1).

(5) If the nominee predeceases an employed person, the interest of the nominee shall revert to the employed person who shall within a period of 30 days from the death of the nominee make a fresh nomination in the manner hereinafter provided for.

(6) A notice of modification of a nomination including cases where a nominee pre-deceases an employed person shall be submitted in duplicate in Form C to the employer in the manner specified in sub-rule (1) and thereafter the provisions of sub-rule (2) shall apply mutatis mutandis as if it was made under sub-rule (1).

(7) The employed person shall not nominate a person who is a minor.

(8) A nomination or a fresh nomination or a notice of modification of nomination shall be signed by the employed person or if illiterate, bear his thumb impression in the presence of two witnesses who shall also sign a declaration to that effect in the nomination fresh nomination or a notice of modification of nomination as the case may be.

(9) A nomination, a fresh nomination or a notice of modification of nomination shall take effect from the date of receipt thereof by the employer.

3B. Register of nominations.—(1) The employer shall record and file all nominations, fresh nominations and notices of modification of nominations as the case may be in the register of nominations which shall be maintained chronologically by the employer in Form D.

(2) The register of nominations shall be maintained by the employer up-to-date and kept permanently at the workshop or where the employer experiences difficulty in keeping them at the workshop, at any other suitable place as may be approved by the Regional Labour Commissioner (Central) in this behalf.

4. In sub-rule (1) of rule 8 of the said rules, after the words 'Every register', the words 'other than register of nominations' shall be added;

5. After rule 9, the following rule shall be inserted namely:—

"9A. Prescribed authority.—The Chief Labour Commissioner (Central) shall be the prescribed authority with whom amounts required to be deposited under clause (b) of sub-section (1) of section 25A of the Act shall be deposited and who shall deal with the amounts so deposited in the manner prescribed in rule 18B".

6. In sub-rule (2) of rule 18, the clauses (i) and (ii) shall be deleted and the existing clauses (iii) and (iv) shall be re-numbered as clauses (i) and (ii) respectively.

7. After rule 18, the following rules shall be inserted, namely:—

"18A. Deposit of amounts of undischarged wages—

(1) Where all amounts payable as wages to a person employed in an establishment in relation to air transport services remains undischarged because either no nomination has been made by the employed person or for any reasons, such amounts could not be paid to the nominee of the employed person until the expiry of one year from the date the same

had become payable, all such amounts shall be deposited by the employer with the Chief Labour Commissioner (Central) before the expiry of the fifteenth day after the last day of the said period of one year.

- (2) The amounts referred to in sub-rule (1) shall be deposited by the employer through crossed demand draft obtained from any Scheduled Bank in India drawn in favour of the Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi and such Demand Draft shall be submitted by the employer to the Chief Labour Commissioner (Central) together with relevant details in Form E by registered post simultaneously endorsing its copy of the Regional Labour Commissioner (Central) concerned.

10B. Manner of dealing with the amounts.—(1) The amounts deposited under rule 18A shall be applied by the Chief Labour Commissioner (Central) to meet the expenditure incurred in connection with the measures which in his opinion are necessary or expedient to promote the welfare of persons employed in an establishment in relation to air transport services and in particular to defray the cost of measures for the benefit of persons employed in establishments in relation to air transport services directed towards,

- the provision and improvement of educational facilities;
- the provision and improvement of recreational facilities;
- the provision and improvement of family welfare including family planning;
- the provision and improvement of vocational training, rehabilitation of disabled and handicapped persons; and
- the provision and improvement of transport facilities.

- (2) The expenditure incurred in connection with the measures referred to in sub-rule (1) either by an employer in relation to air transport services or a trade union registered under the Trade Unions Act 1926, of persons employed in air transport services may be reimbursed to the person concerned by the Chief Labour Commissioner (Central) either wholly or partly at his discretion provided he is satisfied that the expenditure has actually been incurred by that person for the bonafide purpose as specified in sub-rule (1)."

8. In Form VIII of the said rules,—(a) for the figures "400" appearing at items 3(a), (b) and (c) and items 4 and 5, the figures, "1,600" shall be substituted;

(b) after item 7, the following item shall be inserted namely :—

"8 No. of cases and amount of undisbursed wages deposited with the Chief Labour Commissioner (Central) :

| No. of cases. | Amount |
|---------------|--------|
| ----- | ----- |

- Cases in which wages remained undisbursed for want of nomination.
- Cases in which wages could not be paid to persons nominated by the employed person (—) for any reason

9. In Form XI of the said rules,—In item 1, for the figures, "400" the figures, "1,600" shall be substituted;

(b) in clause (a) of sub-item (2) of item 9, for the words, "naye paise in the rupee", the words, "per cent of the wages payable to him in respect of that wage period in which fine is imposed" shall be substituted;

(c) in item 12, after the words, "Central Government", the words and brackets, "or the Chief Labour Commissioner (Central)" shall be added;

(d) after item 12, the following item shall be inserted, namely :—

"12A. Deductions can be made with the written authorisation of the employed person for payment of his contribution to any fund constituted by the employer or a trade union registered under the Trade Unions Act, 1926 for the welfare of the employed persons or the members of their families or both and approved by the Central Government or any officer specified in this behalf during the continuance of such approval;"

(e) After item 14, the following item shall be inserted, namely :—

"14A. Deductions can be made with the written authorisation of the employed person for payment of fees payable by him for the membership of any trade union registered under the Trade Unions Act, 1926;"

(f) in item 15, after the words, "approved by the Central Government", the words and the brackets, "or the Chief Labour Commissioner (Central) shall be added;

(g) after item 19, the following words and items shall be inserted, namely :—

"19A. Payment of undisbursed wages.—(1) If all amounts payable to an employed person as wages could not or cannot be paid on account of his death before payment or on account of his whereabouts not being known shall be paid to the person nominated by him in this behalf.

(2) Where wages remain undisbursed because either no nomination had been made by the employed person or for any reason, such amounts could not be paid to the nominee of the employed person until the expiry of one year from the date the same had become payable, all amounts of such undisbursed wages, shall be deposited by the employer with the Chief Labour Commissioner (Central) New Delhi, before the expiry of the fifteenth day after the last day of the said period of one year.

19B Manner of dealing with deposited amounts.—(1) The amounts of undisbursed wages deposited with the Chief Labour Commissioner (Central) shall be applied by him to meet the expenditure in connection with the measures to promote the welfare of persons employed in establishments in relation to air transport services particularly to defray the cost of measures for the benefit of persons employed in establishments in relation to air transport services such as the provision and improvement of educational, recreational and transport facilities, family welfare including family planning, vocational training and rehabilitation of disabled and handicapped persons.

(2) The expenditure so incurred either by an employer in relation to air transport services of a trade union of persons employed in an establishment in relation to air transport services, registered under the Trade Unions Act 1926 may be reimbursed to the person concerned by the Chief Labour Commissioner (Central) either wholly or partly at his discretion.

FORM A

[See sub-rule (1) of rule 3A]

NOMINATION

To

(Give here name and address of employer together with name and full address of the establishment).

I,
(name in full here)

whose particulars are given in the statement below, hereby nominate the person mentioned below to receive all amounts payable to me as wages, if such amounts could not or cannot be paid on account of my death before the payment or on account of my whereabouts not being known.

2. I hereby certify that the person nominated by me is a member of my family within the meaning of clause (ii) of rule 2 of the Payment of Wages (Air Transport Services) Rules, 1968.

3. I hereby declare that I have no family within the meaning of clause (ii) of rule 2 of the said rules and should I acquire a family hereafter, the above nomination shall be void and in that event I shall make a fresh nomination in Form B.

4. (a) My father/mother/parents is/are not dependent upon me.

(b) My husband's father/mother/parents is/are not dependent on my husband.

Nominee

| Name and address of the nominee | Nominee's relationship with the employed person | Age of nominee |
|---------------------------------|---|----------------|
| 1 | 2 | 3 |

Statement

1. Name of the employed person in full.
2. Sex
3. Religion
4. Whether unmarried/married/widow/widower
5. Department/Branch/Section where employed
6. Post held with ticket No. or serial No, if any
7. Date of appointment
8. Present address
9. Permanent address

Village Thanna Sub-division
Post office District State

Place Signature/thumb-impression of
Date the employed person.

Declaration by witnesses.

Nomination signed/thumb-impressioned before me.
Name in full and full address of Signature of witnesses.

1. 1.
2. 2.

Place

Date

Certificate by the employer

Certified that the particulars of the above nomination have been verified and recorded in the register of nominations in Form D at serial No.

Signature of the employer/officer authorised.

Place

Designation

Date

Name and address of the establishment or rubber Stamp

Acknowledgement of the employed person.

Received the duplicate copy of nomination in Form A filed by me and duly certified by the employer.

Place

Date

Signature of the employed persons

Note : Strike out the words and paragraphs not applicable.

FORM B

[See sub-rule (4) of rule 3A]

Fresh nomination

To

(Give here name and address of employer together with name and full address of the establishment).

I,
(name in full here)

whose particulars are given in the statement below have acquired a family within the meaning of clause (ii) of rule 2 of the Payment of Wages (Air Transport Services) Rules 1968 with effect from (date here)
(In the manner indicated below and therefore nominate a fresh the person mentioned below to receive all amounts payable to me as wages, if such amounts could not or cannot be paid on account of my death before the payment or on account of my whereabouts not being known.

2. I hereby certify that the person nominated by me is a member of my family within the meaning of clause (ii) of rule 2 of the said rules.

3. (a) My father/mother/parents is/are not dependent upon me.

(b) My husband's father/mother/parents is/are not dependent on my husband.

Nominee

| Name and address of the nominee. | Nominee's relationship with the employed person | Age of nominee |
|----------------------------------|---|----------------|
| 1 | | 3 |

Manner of acquiring a "family"

(here give details as to how a family was acquired, i.e. whether by marriage or parents being rendered dependent or through other process like adoption)

Statement

1. Name of the employed person in full
2. Sex
3. Religion
4. Whether married/unmarried/widow/widower

5. Department/Branch/Section where employed
 6. Post held with ticket No. or, serial No., if any
 7. Date of appointment
 8. Present address
 9. Permanent address

reference No. (date) shall stand modified in the following manner:—

(Here give details of the modifications intended)

Village..... Thana..... Sub-division.....
 Date..... District..... State.....
 Place..... Signature/thumb-impression of
 Date..... the employed person.

Declaration of witnesses

Fresh nominations signed/thumb-impressioned before me
 Name in full and full address of Signautre of witnesses

1. 1.
 2. 2.

Place.....
 Date.....

Certificate by the employer

Certified that the particulars of the above nomination have been verified and recorded in register of nominations in Form D at serial No.

Signature of the employer/officer authorised.

Designation.

Place..... Name and address of the establishment or rubber stamp thereof
 Date.....

Acknowledgement of the employed person.

Received the duplicate copy of the nomination in Form B filed by me and duly certified by the employer.

Place..... Signature of the employed person
 Date.....

Note : Strike out the words and paragraph not applicable.

FORM C

[See sub-rule (6) of rule 3A]

Modification of nomination

To

(Give here name and address of employer together with name and full address of the establishment).

I,.....
 (name in full here)

Whose particulars are given below hereby give notice that the nomination filed by me on.....and recorded under your

Statement

1. Name of the employed person in full
2. Sex
3. Religion
4. Whether married/unmarried/widow/widower
5. Department/Branch/Section where employed
6. Post held with ticket No.; or serial No. if any
7. Date of appointment
8. Present address
9. Permanent address

Village..... Than..... Sub-division.....
 Post office..... District..... State.....

Place..... Signature/thumb impression of
 Date..... the employed person.

Declaration by witnesses

Modification of nomination signed/thumb-impressioned before me

Name in full and full address of Signature of witnesses

1. 1.
 2. 2.

Place.....
 Date.....

Certificate by the employer.

Certified that the above modifications have been recorded and entered into in register of nominations in Form D at serial No.

Signature of the employer/officer authorised.

Place..... Designation

Date..... Name and address of the Establishment or rubber stamp thereof.

Acknowledgement by the employed person

Received the duplicate copy of the notice for modification in Form C filed by me on... duly certified by the employer.

Signature of the employed person

Place.....
 Date.....

Note : Strike out the words not applicable

FORM D

[See sub-rule (1) of rule 3B]

Register of nominations

Name and Address of the establishment.....Name and address of the employers

PART-I

| Sl. No. | Name and complete address of the employed person | Nature of employment | Name and complete address of the nominees initially nominated in Form A, with date. | Name and address of the nominee subsequently nominated in Form B with date | Details of modification, if any, specified in the notices of modification of the nomination given in Form C with date. | Remarks |
|---------|--|----------------------|---|--|--|---------|
| 1 | 2 | 3 | | 5 | 6 | 7 |

PART-II

It shall contain one copy each of the nomination in Form-A and, as the case may be, the fresh nomination in Form-B and notice of modification of nomination in Form-C in serial order indicated in part-I.

FORM E

[See sub-rule (2) of rule 18A]

REGISTERED

From:

(Give here name and complete address of the employer.)

To

The Chief Labour Commissioner (Central)
Shram Shakti Bhawan,
Rafi Marg,
New Delhi (pin : 110001)

Sub : Deposit of amounts of undisbursed wages.

Sir,

As required under sub-rule (1) read with sub-rule (2) of rule 18A of the Payment of Wages (Air Transport Services) Rules, 1968 I enclose the crossed Demand draft bearing No dated..... (mention the number (mention the date) for Rs Rupees..... (Mention the amount in figures) (mention the amounts in words) drawn in your favour obtained from (mention the name and address of the bank)

The above mentioned amounts represent all amounts payable as wages to persons employed in

(mention the name and address of the establishment) which remained undisbursed because either no nomination had been made by the employed person(s) or for any reasons such amounts could not be paid to the respective nominee(s) of the person(s). The relevant details are furnished hereunder:
(1) Particulars of the relevant wage period

.....
(mention the details of the wage period)

2. No. of cases in which all amounts payable to an employed person as wages, remained undisbursed for want of nomination.

.....
(mention the number of such cases)

3. Total amounts of undisbursed wages in cases referred to in item 2 :

Rs. (Rupees) ..
(mention the amounts in figures) (mention the amounts in words)

4. No. of cases in which all amounts payable to an employed person wages could not be paid to person(s) nominated by employed person(s)

.....
(mention the number of such cases)

5. Total amounts of undisbursed wages in cases referred to in item 4:

Rs. Rupees.....
(mention the amounts in figures) (mention the amounts in words)

6. Total amounts of undisbursed wages referred to in items 3 and 5

Rs. (Rupees) ..
(mention the amounts in figures) (mention the amounts in words)

Yours faithfully
Signature of the employer/officer authorised

Place:

Date

Name and address of the establishment or (under stamp) thereof.

Copy without enclosures forwarded for information to the Regional Labour Commissioner (Central)

(mention address)

Signature of the employer/
officer authorised

Place

Designation

Dated

Name and address of the establishment of rubber stamps thereon

प्रधिसूचना

सा.का.नि. 288(अ) — मजदूरी सहाय (रेल) नियम, 1938 का, जिसे इसमें आगे "उक्त नियम" कहा गया है, और मशोधन करने के लिए, कनिष्ठ नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिसे केन्द्रीय सरकार मजदूरी सहाय अधिनियम, 1936 (1936 का 4) की धारा 24 के माध्यम से पठित धारा 28 की उपधारा (2) और (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, बनाना चाहती है, उक्त अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (5) की प्रपञ्चानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके मामले प्रभावित होने की संभावना है। इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर हम प्रधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीन मास की अवधि के समाप्ति के पश्चात्, विचार किया जायगा।

2 ऐसे अधिपत्रों या सूचनाओं पर जो इस प्रकार विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व, उक्त प्रारूप को बाबत किमो व्यक्ति में, प्राप्त होये, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

प्रारूप नियम

मजदूरी सहाय (रेल) मशोधन नियम, 1938

1 इन नियमों का नाम मजदूरी सहाय (रेल) मशोधन, नियम, 1938 है।

2 मजदूरी सहाय (रेल) मशोधन नियम, 1938 के नियम 2 में—

(क) खण्ड (छ) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड प्रस्तावित किया जाएगा, अर्थात् —

(छ) "कुटुम्ब" से अभिप्रेत है,

- (1) पुरुष नियोजित व्यक्ति के मामले में उसकी पत्नी उसकी समाने, आठ के विवाहित हैं या अविवाहित, उसके आश्रित माना पिता या उसके मृतक पुत्रों की विधवाएं और संतानें,
- (2) स्त्री नियोजित व्यक्ति के मामले में उसका पति, उसकी समाने, आठ के विवाहित हैं या अविवाहित, उसका आश्रित माना पिता, उसके पति के आश्रित माना पिता और उसके मृतक पुत्रों की विधवाएं और संतानें।"

"2क नामनिर्देशन (1) वह नियोजित व्यक्ति, जो मजदूरी सहाय (रेल) मशोधन नियम, 1938 के प्रारम्भ की तारीख का नियोजित है, साधारणतया ऐसी तारीख से साठ दिन के भीतर और वह नियोजित व्यक्ति जो उक्त नियम के प्रारम्भ की तारीख के पश्चात् नियोजित किया जाता है, साधारणतया ऐसे नियोजन के दिन से तीस दिन के भीतर, किसी व्यक्ति का नामनिर्देशन करके उसे वे सभी रकम प्राप्त करने का अधिकार प्रदान करेगा जो ऐसे नियोजित व्यक्ति का मजदूरी के रूप में देय है किन्तु जो संशय किए जाने के पूर्व, नियोजित व्यक्ति की मृत्यु हो जाने के कारण या उसका पता ठीक नहीं होने के कारण उसे नहीं दी जा सकती है। नियोजित व्यक्ति प्रारूप में नामनिर्देशन, करके उसकी दो प्रतियां बेतन दाता पर, या तो व्यक्तिगत

रूप में तारीख करके और उसकी प्राप्ति की उचित रसीद प्राप्त करके या उसे रसीदी गजिस्ट्रीकृत डाक से भेज कर उसकी तारीख बेतन दाता पर करेगा।

परन्तु बेतन दाता, प्रारूप का नाम निर्देशन, ऐसे विनिर्दिष्ट अवधि के अवधान के पश्चात् भी, स्वीकार कर लेगा यदि उसमें साथ निम्नलिखित उचित आधार प्रस्तुत किए जाने हैं और इस प्रकार स्वीकृत कोई भी नामनिर्देशन मुख्यतया इस कारण अधिमान्य नहीं होगा कि वह ऐसी विनिर्दिष्ट अवधि के अवधान के पश्चात् फाइल किया गया है।

(2) उपनियम (1) के अधीन प्रारूप में नामनिर्देशन की प्राप्ति के तीस दिन के भीतर बेतन दाता, नियोजित व्यक्ति की, नामनिर्देशन प्रारूप में नया उल्लिखित सेवा विनिर्दिष्टा, रेल के अधिकारियों के प्रति निदेश में सहायित करेगा और प्रारूप में नामनिर्देशन की दूसरी प्रति जिसे बेतन दाता ने या उसके द्वारा इस निम्नलिखित प्राधिकृत किसी अधिकारी ने सम्पूर्ण अनुप्रमाणित किया हो, नियोजित व्यक्ति को, उससे उसकी प्राप्ति की रसीद लेकर वापस करेगा। यह वापसी इस बात की प्रतीति होगी कि बेतन दाता अ नामनिर्देशन प्रतिक्रिया कर लिया है और नामनिर्देशन को अन्य प्रति नियम 2क के उपनियम (1) में विहित रीति में प्रतिक्रिया और फाइल की जायगी।

(3) यदि नामनिर्देशन करते समय नियोजित व्यक्ति का कोई कुटुम्ब है तो नामनिर्देशन उसके कुटुम्ब के किसी व्यक्ति के ही पक्ष में किया जाएगा। यदि कोई नामनिर्देशन ऐसे किसी व्यक्ति के ही पक्ष में किया जाता है तो नियोजित व्यक्ति के कुटुम्ब का व्यक्ति नहीं है तो वह शून्य होगा।

(4) यदि नामनिर्देशन करते समय नियोजित व्यक्ति का कोई कुटुम्ब नहीं है तो नामनिर्देशन किसी भी व्यक्ति के पक्ष में किया जा सकता है किन्तु यदि बाद में नियोजित व्यक्ति का कोई कुटुम्ब बन जाता है तो ऐसा नामनिर्देशन तुरन्त शून्य होगा तथा अपवादों के लिए नियोजित व्यक्ति, कुटुम्ब बनने से तीन दिन के भीतर, उपनियम (1) में यथाविनिर्दिष्ट रीति में बेतन दाता को प्रारूप में दो प्रतियों में एक नया नामनिर्देशन प्रस्तुत करेगा और तत्पश्चात् उपनियम (2) के उपबन्ध यथावश्यक परिवर्तनों सहित उसी प्रकार लागू होंगे माने नामनिर्देशन उपनियम (1) के अधीन किया गया हो।

(5) यदि नामनिर्देशन की मृत्यु नियोजित व्यक्ति के पूर्व हो जाती है तो नामनिर्देशन का जिस नियोजित व्यक्ति की प्रतिवर्ति हो जाएगा और नियोजित व्यक्ति नामनिर्देशन की मृत्यु के दिन से तीस दिन की अवधि के भीतर इसमें आगे उपबन्धित रीति, में नया नामनिर्देशन करेगा।

(6) नामनिर्देशन में उपांतरण की सूचना जिसमें अन्तर्गत ऐसे मामले भी हैं जिनमें नामनिर्देशन की मृत्यु नियोजित व्यक्ति के पहले हो जाती है, सूचना बेतन दाता का प्रारूप में दो प्रतियों में, उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट रीति, में दी जाएगी और तत्पश्चात् उपनियम (2) के उपबन्ध यथावश्यक परिवर्तनों सहित उसी प्रकार लागू होंगे माने नामनिर्देशन उपनियम (1) के अधीन किया गया हो।

(7) नियोजित व्यक्ति किसी अप्रारूप व्यक्ति को नामनिर्देशन नहीं करेगा।

(8) नामनिर्देशन, नए नामनिर्देशन या नामनिर्देशन में उपांतरण की सूचना पर नियोजित व्यक्ति हस्ताक्षर करेगा यदि वह साक्षर नहीं है तो वह उस पर अपने अंगूठे का निशान लगाएगा। ऐसे हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान दो साक्षियों की उपस्थिति में लगाया जाएगा जो, यथास्थित, नामनिर्देशन, नए नामनिर्देशन या नामनिर्देशन में उपांतरण की सूचना में इस बात की एक घोषणा पर भी हस्ताक्षर करेंगे।

(9) नामनिर्देशन, नए नामनिर्देशन या नामनिर्देशन में उपांतरण की सूचना उस तारीख से प्रभावी होगी जिस तारीख को वे बेतन दाता

23.—नामनिर्देशन रजिस्टर (1) बेतनदाता नामनिर्देशन रजिस्टर में दयास्थिति, नामनिर्देशन पत्र, सए नामनिर्देशन पत्र और नामनिर्देशन उपांतरण की मूबभाए अमिलिखित और काइल करेगा। बेतनदाता इस रजिस्टर को प्ररूप ५ में कामानुक्रम में रखेगा।

(2) बेतनदाता नामनिर्देशन रजिस्टर अछतम रूप में रखेगा और स्थायी रूप से उने कार्यास्थल पर रखेगा और यदि वह ऐसे रजिस्टर को कार्यास्थल पर रखने में कोई अनुविधा सहसूस करता है तो वह ऐसा रजिस्टर ऐसे किसी उपयुक्त स्थान पर रखेगा जिसे प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) इस मिसिल अनुमोदित करे।

(3) नाम निर्देशन रजिस्टर प्रमान्यतया अंग्रेजी में रखा जाएगा, किन्तु यदि वह अंग्रेजी से भिन्न किसी भाषा में रखा जाता है तो अंग्रेजी में उसका सही अनुवाद भी उपलब्ध कराया जाएगा।

4. विद्यमान नियम 9 के उपनियम (1) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा और निम्नलिखित उप नियम 9 के उप नियम (2) के रूप में अंतः स्थापित किया जाएगा अर्थात्—

“2(क) मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) ऐसा विहित अधिकारी होगा जिसके पास अधिनियम की धारा 25 क की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन निक्षिप्त किए जाने के लिए अपेक्षित रकमें निक्षिप्त की जाएंगी और वह इस प्रकार निक्षिप्त रकमों को नियम 18 ख में विहित रीति में बरतेगा।”

5. नियम 18 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किए जाएंगे अर्थात्—

“18क असंश्लित मजदूरी की रकम का निक्षेप—

(1) यदि किसी रेल बेतनदाता नियोजित व्यक्ति को मजदूरी के रूप में देय सभी रकमें इस कारण असंश्लित रह जाती है कि या तो नियोजित व्यक्ति ने कोई नामनिर्देशन नहीं किया है वह ऐसी रकमें देय हो जाने की तारीख से एक वर्ष के पश्चात् तक नियोजित व्यक्ति के नाम निर्देशिती की किसी कारणवश संदत्त नहीं की जा सकी है तो ऐसी सभी रकमें उक्त एक वर्ष की अवधि के अंतिम दिव के पश्चात् में पन्द्रह दिन के अवसान से पूर्व नियोजक मुख्य आयुक्त (केन्द्रीय) के पास निक्षिप्त कर वेगा।

(2) बेतनदाता उपनियम (1) में निर्दिष्ट रकमें मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) नई दिल्ली के पक्ष में भारत में किसी अनुसूचित अंक से प्राप्त कास्ट मांग देय ड्राफ्ट द्वारा निक्षिप्त करेगा और ऐसा मांगदेय ड्राफ्ट मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) को प्ररूप 6 में सुसंगत ध्वारों के साथ रजिस्ट्रीकृत डाक से भेजेगा और उसके साथ ही उसकी एक प्रति संबंधित प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) को भी भेजेगा।

18ख. रकमों को बरतने की रीति :

(1) मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) नियम 18 क के अधीन निक्षिप्त रकमों का उपयोग ऐसे उपायों के संबंध में उपगत व्ययों की पूरा करने लिए करेगा जो उसकी राय में रेल में नियोजित व्यक्तियों के कल्याण की अभिवृद्धि करने के लिए आवश्यक या समीचीन हैं और विशिष्टतः उनका उपयोग रेल में नियोजित व्यक्तियों के फायदे के लिए निम्नलिखित कार्यों पर करेगा अर्थात्—

- (i) शैक्षिक सुविधाओं की व्यवस्था और सुधार ;
- (ii) आमोद-प्रमोद में संबंधित सुविधाओं की व्यवस्था और सुधार ;
- (iii) परिवार नियोजन और परिवार कल्याण की व्यवस्था और सुधार ;

(iv) व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा अशक्त और विकलांग व्यक्तियों के पुनर्वास की व्यवस्था और सुधार ;

(v) परिवहन सुविधाओं की व्यवस्था और सुधार।

(2) किसी रेल के संबंध में नियोजक द्वारा या किसी रेल में नियोजित व्यक्तियों के ऐसे व्यवसाय संघ द्वारा जो व्यवसाय संघ अधिनियम 1926 के अधीन रजिस्ट्रीकृत है बेतनदाता उपनियम (1) में निर्दिष्ट उपायों के संबंध में उपगत व्यय की संबंधित व्यक्ति को प्रतिपूर्ति मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) स्वविवेकानुसार पूर्णतः भागतः कर सकता है परन्तु यह तब जब उसका समाधान हो जाए कि संबंधित व्यक्ति ने ऐसा व्यय उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट किसी सदभाविक प्रयोजन के लिए ही वस्तुतः उपगत किया है।

8. उक्त नियमों के प्ररूप 3 में—

(क) मद 3(ग) और मद 5 में प्रस्तुत “1 000” अंकों के स्थान पर “1 600” अंक रखे जायेंगे ;

(ख) मद 7 के पश्चात् निम्नलिखित मद अंतःस्थापित की जाएगी—

8. मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) के पास निक्षिप्त असंश्लित मजदूरी के मामलों की संख्या और रकम :

1 600 रु० प्रति मास से कम पाने वाले व्यक्ति

| मामलों की संख्या | रकम |
|------------------|-----|
|------------------|-----|

(क) वे मामले जिनमें नाम—निर्देशन न होने के कारण मजदूरी असंश्लित रह गई है।

(ख) वे मामले जिनमें मजदूरी नियोजित व्यक्ति (व्यक्तियों) द्वारा नाम-निर्देशित व्यक्ति (व्यक्तियों) को किसी कारणवश संदत्त नहीं की जा सकी है।

7. उक्त नियमों के प्ररूप 4 में—

(क) मद 1 में “400” अंकों के स्थान पर “1600” अंक रखे जायेंगे।

(ख) मद 9 की उपमद (2) के खण्ड

(क) में “प्रति रुपये अठे आने” शब्दों के स्थान पर “उस मजदूरी अवधि के संबंध में जिसमें जुमान अधिगोपित किया गया है, उने देय मजदूरियों के प्रतिगत” शब्द रखे जायेंगे ;

(ग) मद 12 में, “केन्द्रीय सरकार” शब्दों के पश्चात् “या मुख्य श्रम आयुक्त केन्द्रीय” शब्द और कोष्ठक जोड़ दिए जायेंगे ;

(घ) मद 12 के पश्चात् निम्नलिखित मद अंतःस्थापित की जाएगी अर्थात्—

“12क. नियोजित व्यक्ति के लिखित प्राधिकार में ऐसी किसी विधि में जो या तो बेतनदाता या व्यवसाय संघ अधिनियम 1926 के अधीन रजिस्ट्रीकृत किसी व्यवसाय संघ ने, नियोजित व्यक्तियों या उनके कुटुम्ब के सदस्यों या दोनों के कल्याण के लिए गठित की है और जिसे केन्द्रीय सरकार ने या इस विधित उसके द्वारा विनिर्दिष्ट किसी अधिकारी ने अनुमोदित किया है, उसके अधिनत को सदाय के लिए कटौतियां ऐसे अनुमोदक के बने रहने के दौरान की जा सकती हैं”

(इ) मद 14 के पश्चात् निम्नलिखित मद संख्या अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“14-क नियोजित व्यक्ति के लिखित प्राधिकार से, व्यवसाय संघ अधिनियम 1926 के अधीन रजिस्ट्रीकृत किसी व्यवसाय संघ की सवस्यता के लिए नियोजित व्यक्ति द्वारा देय फीसों के संघाय के लिए कटौतियां की जा सकती हैं;”

(घ) मद 15 में, “केन्द्रीय सरकार” शब्दों के पश्चात् “या मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय)” शब्द और कोष्ठक जोड़ दिए जाएंगे;

(छ) मद 19 के पश्चात् निम्नलिखित शब्द और मद अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“असंवितरित मजदूरी का संघाय”

19-क (1) यदि मजदूरियों के रूप में किसी नियोजित व्यक्ति को देय रकमों का संघाय, ऐसे संघाय से पूर्व नियोजित व्यक्ति की मृत्यु हो जाने के कारण या उसका पता ठिकाना ज्ञात न होने के कारण नहीं किया जा सकता है तो ऐसी रकमों का संघाय उस व्यक्ति को कर दिया जाएगा जिसे ऐसे नियोजित व्यक्ति ने इस निमित्त नामनिर्देशित किया है।

(2) यदि मजदूरी इस कारण असंवितरित रह जाती है कि नियोजित व्यक्ति ने कोई नामनिर्देशन नहीं किया है या ऐसी रकमों नियोजित व्यक्ति के नाम निर्देशित की, ऐसी रकमों के देय होने की तारीख से एक वर्ष के अवसान के पश्चात् तक, संवत् नहीं की जा सकती है तो वेतनदाता ऐसी असंवितरित मजदूरियों की सभी रकमों उक्त एक वर्ष की अवधि के अंतिम दिन के पश्चात् से 15 दिन के अवसान से पूर्व, मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) नई दिल्ली के पास निक्षेप कर देगा।

निक्षेप रकमों की भरपत्ती की रीति

19ख (1) मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) अपने पास निक्षेप असंवितरित मजदूरियों की रकमों का उपयोग ऐसे उपायों से संबंधित व्यय को पूरा करने के लिए करेगा जो रेल के किसी स्थापनों में नियोजित व्यक्तियों के कल्याण की अभिवृद्धि के लिए किए जाने हैं और विशिष्टतः उनका उपयोग रेलों में नियोजित व्यक्तियों के फायदे के लिए किए गए उपायों, उदाहरणार्थ, नियोजित व्यक्तियों की शिक्षा, आमोद-प्रमोद और परिवहन सुविधाओं, परिवार नियोजन सहित परिवार कल्याण, व्यवसायिक प्रशिक्षण और अशक्त तथा विकलांग व्यक्तियों के पुनर्वास की व्यवस्था और विकास कार्य के खर्च को पूरा करने के लिए किया जाएगा।

(2) किसी रेल या किसी रेल में नियोजित व्यक्तियों के किसी ऐसे व्यवसाय संघ के संबंध में, जो व्यवसाय संघ अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्ट्रीकृत है, किसी वेतनदाता द्वारा इस प्रकार उपगत व्यय को संबंधित व्यक्ति को प्रतिपूति मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), स्वविवेकानुसार पूर्णतः या भाग्य कर सकता है।

[च० एम० 31012/8/32820सी० (पी० डब्ल्यू०)]

बिभाग नं०, अवर सचिव

प्रावृत्त

[नियम 2 का उपनियम (1) देखिए]

नाम निर्देशन

मेरा मैं

(यहां वेतनदाता का नाम और पता बीजिए)

मैं जिसकी विशिष्टता नीचे विवरण में दी गई है, (पूरा नाम)

नीचे उल्लिखित व्यक्ति का नाम निर्देशन, मजदूरी के रूप में मुझे देय सभी रकमों उक्त दशा में प्राप्त करने के लिए करता हूँ जब ऐसी रकमों, उनके संघाय से पूर्व मेरी मृत्यु हो जाने के कारण या मेरा पता ठिकाना ज्ञात न होने के कारण मुझे संवत् नहीं की जा सकती है या संवत् नहीं की जा सकती है।

2. मैं प्रमाणित करता हूँ कि जिस व्यक्ति का मैं नाम निर्देशन किया है वह मजदूरी सहाय (रेल) नियम, 1938 के नियम 2 के खण्ड (छछ) के अर्थ में मेरे कुटुम्ब का सदस्य है।

3. मैं घोषणा करता हूँ कि उक्त नियमों के नियम 2 के खण्ड (छछ) के अर्थ में मेरा कोई कुटुम्ब नहीं है और यदि भविष्य में मेरा कोई कुटुम्ब बन जाता है तो उक्त नाम निर्देशन शून्य हो जाएगा और उस दशा में मैं प्रत्येक से एक नया नाम निर्देशन करूंगा।

4. (क) मेरे पिता/माता/माता-पिता मुझे पर आश्रित नहीं हैं।

(ख) मेरे पति के पिता/माता/पिता मेरे पति पर आश्रित नहीं हैं।

नाम-निर्देशनी

| नाम निर्देशनी का नाम और पता | नियोजित व्यक्तियों के साथ नाम निर्देशनी की तारीख | नाम निर्देशनी की आयु |
|-----------------------------|--|----------------------|
| 1 | 2 | 3 |

विवरण

1. नियोजित व्यक्ति का पूरा नाम
 2. लिंग
 3. धर्म
 4. क्या अविवाहित/विवाहित/विधवा/विधुर है
 5. उक्त विभाग (शाखा) अनुभाग का नाम जिसमें नियोजित है।
 6. धारित पद तथा टिकट संख्यांक का क्रम संख्यांक, यदि कोई है।
 7. नियुक्ति की तारीख
 8. वर्तमान पता :
 9. स्थायी पता :
- ग्राम थाना उपखण्ड
 डाकखाना जिला राज्य
 स्थान
 तारीख

नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर/अंगूठे का

साक्षियों द्वारा घोषणा

नामनिर्देशन पर मेरे समक्ष हस्ताक्षर किए गए/अंगूठे का निशान लगाया गया।

निम्नलिखित का पूरा नाम और पता साक्षियों के हस्ताक्षर

- | | |
|----|----|
| 1. | 1. |
| 2. | 2. |

स्थान

तारीख

वैतनदाता का प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त उपास्तरण अभिलिखित कर लिए गए हैं और उन पर प्रत्यक्ष में नामनिर्देशन के रजिस्टर में क्रम संख्यांक अभिलिखित कर लिया गया है।

वैतनदाता प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर

स्थान

तारीख

पद नाम

वैतनदाता का नाम और पता या उसकी रबड़-मुद्रा

नियोजित व्यक्ति की अभिलिखित प्रति

मेरे द्वारा प्ररूप क में फाइल किए गए नामनिर्देशन की प्रतिलिखित प्रति, जिसे वैतनदाता ने सम्यक्तः प्रमाणित किया है, मैंने प्राप्त की।

स्थान

नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर

तारीख

टिप्पण--जो शब्द या पैरा सांगू नहीं होते हैं उन्हें काट दीजिए।

प्ररूप क

[नियम 2 (क) का उपबिधम (4) देखिए]

नया नामनिर्देशन

सेवा में

(वहाँ वैतनदाता का नाम और पता दीजिए)

मैं _____ का, जिसकी निश्चितता मोके विवरण (पूरा नाम)

की गई है, यह कथन करता हूँ कि मजदूरी संवाम (रेल) नियम, 1938 नियम 2 के खण्ड (भा) के अर्थ में नीचे उपस्थित रीति में _____

तारीख से मेरा कुटुम्ब बन गया है।

मैं नीचे उल्लिखित व्यक्ति का नया नामनिर्देशन, मजदूरी के रूप मुझे देय सभी रकमों उस वक़्त में प्राप्त करने के लिए करता हूँ जब रकमों, उनके रकमों के संवाय से पूर्व मेरी मृत्यु हो जाने के कारण या मेरा पता ठिकाना शांत न होने के कारण मुझ संदल न की जा सका 1 संदल नहीं की जा सकती है।

2. मैं प्रमाणित करता हूँ कि जिस व्यक्ति का मेरे नामनिर्देशन किया है वह उक्त नियमों के नियम 2 के खण्ड (छ) के अर्थ में मेरे _____ का सदस्य है।

(क) मेरे माता पिता / माता-पिता मुझ पर आश्रित नहीं है ;

) मेरे पति के पिता / माता / माता-पिता मेरे पति पर आश्रित

नामानिर्देशनी

नामानिर्देशनी का नाम और पता

नियोजित व्यक्तियों के साथ नामनिर्देशनी की नातेदारी

1

2

3

कुटुम्ब बन जाने की रीति

(यहाँ इस बात पर ध्यान दीजिए कि कुटुम्ब किस प्रकार बना है अर्थात् विवाह द्वारा या माता पिता के आश्रित हो जाने के कारण या दत्तक ग्रहण जैसी किसी अन्य प्रक्रिया के कारण)

विवरण

1. नियोजित व्यक्ति का पूरा नाम
2. लिंग
3. धर्म
4. क्या अधिवाहित / विवाहित / विधवा/विधुर है
5. उस विभाग (शाखा) अनुभाग का नाम जहाँ नियोजित है
6. धारित पद तथा टिकट संख्याक या कन नववाक यदि कोई है
7. नियुक्ति की तारीख
8. वर्तमान पता
9. स्थायी पता

नाम थाना

उपखण्ड शकथाना

जिला राज्य

नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर/अंगूठे का निशान

स्थान

तारीख

साक्षियों द्वारा घोषणा

नए नामनिर्देशन पर मेरे समक्ष हस्ताक्षर किए गए/अंगूठे का निशान लगाया गया।

निम्नलिखित का पूरा नाम और पता साक्षियों के हस्ताक्षर

- | | |
|----|----|
| 1. | 1 |
| 2. | 2. |

स्थान

तारीख

वेतनदाता प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त नामनिर्देशन के विनिर्दिष्टियों का सत्यापन कर लिया गया है और उन्हें कम संख्यांक पर, प्ररूप ब में नामनिर्देशन रजिस्टर में, अभिलिखित कर लिया गया है।

वेतनदाता प्राधिकृत अधिकारी के
हस्ताक्षर पदनाम
स्थापन का नाम और पता या
उसको रखने मूला-----

स्थान -----

तारीख-----

नियोजित व्यक्ति की अभिस्वीकृति

मेरे द्वारा प्ररूप ग में फाईल किए गए नामनिर्देशन की द्वितीय प्रति, जिसे वेतनदाता ने सम्पत्त प्रमाणित किया है, मैंने प्राप्त की स्थान-----

नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर

तारीख-----

टिप्पण: जो सत्य या पैरा लागू नहीं होते हैं, उन्हें काट दीजिए।

[प्ररूप ग]

[नियम 2 क का उपनियम (6) देखिए]

नामनिर्देशन का उपास्तरण

सेवा में,

(यह वेतनदाता का नाम और पता निम्न)

मैं -----जिसकी विनिर्दिष्टिया नीचे दी गई हैं, सूचना
(पूरा नाम)

देता हूँ कि मैंने जो नामनिर्देशन तारीख -----को फाईल किया है और जिसे आपने निर्देश सं० -----पर तारीख -----को अभिलिखित किया गया है, उसमें निम्नलिखित रूप में उपास्तरण किए जाएंगे:

(यह आशयित उपास्तरणों के ब्योरे दीजिए)

विवरण

1. नियोजित व्यक्ति का पूरा नाम
2. लिंग
3. धर्म
4. क्या अविवाहित / विवाहित/विधवा / विधुर है
5. उस विभाग (शाखा अनुभाग का नाम जिसमें नियोजित है

प्ररूप ब

[नियम 3 ख का उपनियम (1) देखिए]

नाम निर्देशन रजिस्टर

स्थापन का नाम और पता -----

वेतनदाता का नाम और पता -----

भाग-1

| क्रम सं० | नियोजित व्यक्ति का नाम और पूरा पता | नियोजित प्रकृति | प्ररूप क में प्रारम्भ में नामनिर्देशित किए गए नाम-निर्देशित का नाम और पूरा पता तथा तारीख | प्ररूप ख में नामनिर्देशित किए गए पश्चात्पूर्व नाम-निर्देशित का नाम और पूरा पता तथा तारीख | प्ररूप ग में किए गए नाम-निर्देशन के उपास्तरण की सूचनाओं में विनिर्दिष्ट उपास्तरणों के, यदि कोई है, ब्योरे और तारीख | टिप्पणिया |
|----------|------------------------------------|-----------------|--|--|--|-----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |

भाग 2

यथास्थिति इसमें प्ररूप क में किए गए प्रत्येक नामनिर्देशन प्ररूप ख में किए गए प्रत्येक नए नाम निर्देशन तथा प्ररूप ग में नामनिर्देशन में किए गए उपास्तरण की सूचना की एक-एक प्रति, भाग 1 में उपर्युक्त क्रम के अनुसार होगी।

6. धारित पद का टिकट संख्यांक या कम संख्यांक, यदि कोई है
7. नियुक्ति की तारीख
8. वर्तमान पता
9. स्थायी पता

ग्राम----- बत-----
उपस्थ-----,----- डाकस्थान-----
जिला----- राज्य-----
स्थान-----

नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर/
अपूठे का निम्न

तारीख-----

साक्षियों द्वारा घोषणा

उपास्तरित नाम निर्देशन पर मेरे समक्ष हस्ताक्षर किए गए 'अपूठे का निम्न' लगाया गया।

निम्नलिखित का पूरा नाम और पता साक्षियों के हस्ताक्षर

1----- 1-----
2----- 2-----

स्थान-----

तारीख-----

वेतनदाता का प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त उपास्तरण अभिलिखित कर दिए गए हैं और उन्हें प्ररूप ब में नामनिर्देशन रजिस्टर में कम संख्यांक ----- पर अभिलिखित और प्रविष्ट कर दिया गया है।

वेतनदाता/ प्राधिकृत अधिकारी के
हस्ताक्षर
पदनाम

स्थापन का नाम और पता या
रखने मूला

स्थान-----

तारीख-----

नियोजित व्यक्ति की अभिस्वीकृति

मेरे द्वारा प्ररूप ग में फाईल किए गए नामनिर्देशन की द्वितीय प्रति, जिसे वेतनदाता ने सम्पत्त प्रमाणित किया है, मैंने प्राप्त की।

नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर

स्थान-----

तारीख-----

टिप्पण: जो सत्य या पैरा लागू नहीं होते हैं उन्हें काट दीजिए।

प्ररूप क

[नियम 18 क का उपनियम (2) देखिए]

प्रेषक : रजिस्ट्रीकृत :

(यहाँ वेतनवाता का नाम और पूरा पता दीजिए)

सेवा में

मुख्य अम आयुक्त (केन्द्रीय)
अम शक्ति भवन, रफी मार्ग,
नई दिल्ली -110001

विषय:- असंश्लित मजदूरी की रकम का निषेध

महोदय,

मजदूरी संधाय (रेल) नियम, 1938 के नियम 18क के उपनियम
(2) के साथ पठित उपनियम (1) के अधीन यथा अपेक्षित रूप में मैं—
से आपके पक्ष में अभिप्राप्त

(बैंक का नाम और पता लिखिए) (अंकों में)

रूप का आस मौगवेय ड्राफ्ट सं०—
(शब्दों में) (सं० का उल्लेख कीजिए)

तारीख—संलग्न करता हूँ

(तारीख का उल्लेख कीजिए)

उपर उल्लिखित रकमों ने रकमों है जो—
(स्थापन का नाम और पता लिखिए)

में नियोजित व्यक्तियों का मजदूरी के रूप में देय है तथा जो नियोजित
व्यक्ति (व्यक्तियों) द्वारा नामनिर्देशन न किए जाने के कारण या किसी
अन्य कारणवश नियोजित व्यक्ति (व्यक्तियों) के अपने अपने नामनिर्देशित
(नामनिर्देशितियों) को ऐसी रकम संवत न की जा सकने के कारण
असंश्लित रह गई है। सुसगत ब्यौरे नीचे दिए गए हैं :-

1. सुसगत मजदूरी अवधि की—
विशिष्टिया (मजदूरी अवधि के ब्यौरे दीजिए)

2. ऐसे मामलों की संख्या जिनमें
नामनिर्देशन न होने के कारण
नियोजित व्यक्ति को मजदूरी के
रूप में देय सभी रकमों अतः
वितरित रह गई है

(ऐसे मामलों की संख्या लिखिए)

3. मब 2 में निर्दिष्ट मामलों में
असंश्लित मजदूरी की कुल रकम—

रु० रु०
(अंकों में) (शब्दों में)

4. ऐसे मामलों की संख्या में
जिनमें मजदूरी के रूप में किसी
नियोजित व्यक्ति को देय सभी
समस्त रकमों, नियोजित व्यक्ति
(व्यक्तियों) द्वारा नामनिर्देशित
व्यक्ति (व्यक्तियों) को संवत
नहीं की जा सकी है

(ऐसे मामलों की संख्या लिखिए)

5. मब 4 में निर्दिष्ट मामलों में
असंश्लित मजदूरी की कुल रकम

(अंकों में) (शब्दों में)

6. मब 3 और 5 में निर्दिष्ट अम-

वितरित मजदूरी की कुल रकम

(अंकों में) (शब्दों में)

मबदीय,

वेतनमान/प्राधिकृत अधिकारी के
हस्ताक्षर

पदनाम

स्थान—

तारीख—

स्थापन का नाम और पता या

उसकी रजिड्र मुद्रा

एक प्रति जिसके साथ संलग्न नहीं है, जानकारी के लिए प्रादेशिक
आयुक्त (केन्द्रीय) को अंग्रेजित की गई

पता

वेतनवाता/प्राधिकृत अधिकारी के

हस्ताक्षर

पदनाम

स्थापन का नाम और पता या

उसकी रजिड्र मुद्रा

स्थान:.....

तारीख:.....

NOTIFICATION

G.S.R. 288 (E) The following draft of certain rules further to amend the Payment of Wages (Railways) Rules 1938 herein after referred to as the said rules which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (2) and (3) of section 26 read with section 24 of the Payment of Wages Act 1936 (4 of 1936), is hereby published as required by sub-section (5) of section 26 of the said Act for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of three months from the date of the publication of this notification in the official Gazette.

2. Any objection or suggestion which may be received from any person on the receipt of the said draft before the date so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

Payment of Wages (Railways) Amendment Rules 1983

1. These rules may be called the Payment of Wages (Railways) Amendment Rules 1983.

2. In rule 2 of the Payment of Wages (Railways) Rules, 1938, after clause (g), the following clause shall be inserted, namely :

“(gg) “family” means—

(i) In case of a male employed person, his wife, his children, whether married or unmarried, his dependent parents and his deceased sons' widows' and children.

(ii) In case of a female employed person, her husband, her children whether married or unmarried, her dependent parents, her husband's dependent parents and her deceased sons' widows' and children.”

3. After rule 2, the following rules shall be inserted, namely :—

“2A nominations—(1) In case an employed persons is already in employment on the date of commencement of Payment of Wages (Railways) Amendment Rules 1983, ordinarily within 60 days from such date, and in case an employed person has been employed after the date of the commencement of the said rules, ordinarily within 30 days from the day he is employed shall nominate a person conferring on him the right to receive all amounts payable to him as wages, if such amounts could not or cannot be paid

on account of his death before the payment or on account of his whereabouts not being known. The nomination shall be in Form A and submitted in duplicate by the employed person by personal service after taking proper receipt thereof or by sending through registered post with acknowledgement due to the pay master :

Provided that nomination in Form A shall be accepted by the pay master even after the expiry of the specified period, if filed with reasonable grounds for delay, and no nomination so accepted shall be invalid mainly because it was filed after the expiry of the specified period.

- (2) Within 30 days of the receipt of the nomination in form A under sub-rule (1), the pay master shall get the service particulars of the employed person, as mentioned in form of nomination, verified with reference to the records of the railway or as the case may be, the contractor and returned to the employed person after obtaining a receipt thereof, the duplicate copy of the nomination in Form A duly attested either by the pay master or an officer authorised in this behalf by him as a token of recording of nomination by the pay master and the other copy of the nomination shall be recorded and filed in the manner prescribed in sub-rule (1) of rule 2B.
 - (3) If an employed person has a family at the time of making nomination, the nomination shall be in favour of person belonging to his family. Any nomination made by such employed person in favour of a person not belonging to his family shall be void.
 - (4) If at the time of making a nomination, the employed person has no family, the nomination may be made in favour of any person but as soon as the employed person subsequently acquires a family, such nomination shall forthwith be deemed to be void and the employed person shall, within 30 days of acquiring a family, submit in the manner as specified in sub-rule (1) a fresh nomination in duplicate in Form B to the pay master and thereafter the provisions of sub-rule (2) shall apply mutatis mutandis as if it was made under sub-rule (1).
 - (5) If the nominee pre-deceases the employed person, the interest of the nominee shall revert to the employed person who shall within a period of 30 days from the death of the nominee make a fresh nomination in the manner hereinafter provided for.
 - (6) A notice of modification of a nomination including cases where a nominee pre-deceases an employed person, shall submit in duplicate in Form C to the pay master in the manner specified in sub-rule (1) and thereafter the provisions of sub-rule (2) shall apply mutatis mutandis as if it was made in sub-rule (1).
 - (7) The employed person shall not nominate a person who is a minor.
 - (8) A nomination or a fresh nomination or notice of modification of nomination shall be signed by the employed person or, if illiterate bear his thumb impression in the presence of two witnesses, who shall also sign a declaration to that effect in the nomination, fresh nomination or a notice of modification of nomination, as the case may be.
 - (9) A nomination, fresh nomination or a notice of modification of nomination shall take effect from the date of receipt thereof by the pay master.
- 2B. Register of nominations.—(1) The pay master shall record and file all nominations, fresh nominations and notices of modification of nominations as the case may be in the register of nominations which shall be maintained chronologically by the pay master in Form D.

(2) The register of nominations shall be maintained by the pay master up-to-date and kept permanently at the work-spot or where the pay master experiences difficulty in keeping them at the work-spot, at any other suitable place, as may be approved by the Regional Labour Commissioner (Central) in this behalf.

(3) The register of nominations shall normally be maintained in English but where it is maintained in any other language than English, a true translation thereof in English shall be available."

4. The existing rule 9 shall be renumbered as sub-rule (1) and the following sub-rule shall be inserted as sub-rule (2) of rule 9 namely :

"(2) The Chief Labour Commissioner (Central) shall be the prescribed authority with whom amounts required to be deposited under clause (b) of sub-section (1) of section 25A of the Act shall be deposited and who shall deal with the amounts so deposited in the manner prescribed in rule 18B."

5. After rule 18, the following Rules shall be inserted, namely :

"18A. Deposit of amount of, undisbursed wages.—(1) Where all amounts payable as wages to a person employed by the pay master remains undisbursed because either no nomination has been made by the employed person or for any reasons, such amounts could not be paid to the nominee of the employed person until the expiry of one year from the date the same had become payable, all such amounts shall be deposited by the employer with the Chief Labour Commissioner (Central) before the expiry of the 15th day after the last day of the said period of one year.

(2) The amounts referred to in sub-rule (1) shall be deposited by the pay master through crossed demand draft obtained from any Scheduled Bank in India drawn in favour of the Chief Labour Commissioner (Central) New Delhi, and such demand draft shall be submitted by the pay master to the Chief Labour Commissioner (Central) together with relevant details in Form VI by registered post simultaneously endorsing its copy to the Regional Labour Commissioner (Central) concerned.

18B Manner of dealing with amounts.— (1) The amounts deposited under rule 18A shall be applied by the Chief Labour Commissioner (Central) to meet the expenditure incurred in connection with the measures which in his opinion are necessary or expedient to promote the welfare of persons employed upon railways, and in particular to defray the cost of measures for the benefit of persons employed upon railways directed towards—

- (i) the provision and improvement of educational facilities;
- (ii) the provision and improvement of recreational facilities;
- (iii) the provision and improvement of family welfare, including family planning;
- (iv) the provision and improvement of vocational training, rehabilitation of disabled and handicapped persons; and
- (v) the provision and improvement of transport facilities.

2. The expenditure incurred in connection with the measures referred to in sub-rule (1) either by a pay master or a trade union registered under the Trade Union Act, 1926 of persons employed upon railways may be reimbursed to the persons concerned by the Chief Labour Commissioner (Central) either wholly or partly at his discretion, provided he is satisfied that the expenditure has been actually incurred by that person for the bona fide purpose specified in sub-rule (1)."

6. In form III of the said rules—

- (a) for the figures "1000" appearing at items 3(c) and 5, the figures "1,600" shall be substituted;

- (b) after item 7, the following items shall be inserted, namely—

“8. No. of cases and amount of undisbursed wages deposited with the Chief Labour Commissioner (Central):

| Persons receiving less than Rs. 1000 per month | No. of Amount cases |
|--|---------------------|
|--|---------------------|

- (a) Case in which wages remained undisbursed for want of nomination.

- (b) Cases in which wages could not be paid to person(s) nominated by employed person(s) for any reasons”.

7. In Form IV of the said rule 5,—

7. In form IV of the said rules,—

- (a) in item 1, for the figures “400” the figures, “1,600” shall be substituted;
- (b) in clause (a) of sub-item (2) of item 9, for the words “half anna in the rupee”, the words, “three per cent of the wages payable to him in respect of that wage period in which fine is imposed” shall be substituted;
- (c) in item 12, after the words “Central Government”, the words and the brackets, “or the Chief Labour Commissioner (Central)” shall be added;
- (d) after item 12, the following item shall be inserted, namely—

“12-A Deductions can be made with the written authorisation of the employed person for payment of his contribution to any fund constituted by the pay master or a trade union registered under the Trade Unions Act, 1926 for the welfare of the employed persons or the member of their families or both and approved by the Central Government or any officer specified by it in this behalf during the continuance of such approval”.

- (e) after item 14, the following item shall be inserted, namely—

“14A Deductions can be made with the written authorisation of the employed person for payment of fees payable by him for the membership of any trade union registered under the Trade Unions Act, 1926.”

- (f) in item No. 15 after the words “approved by the Central Government”, the words and brackets, “or the Chief Commissioner (Central)”, shall be added.

- (g) after item 19, the following words and items shall be inserted, namely—

“Payment of undisbursed wages”

19A. (1) If all amounts payable to an employed person as wages could not or cannot be paid on account to his death before payment or on account of his whereabouts not known shall be paid to the person nominated by him in this behalf.

- (2) Where wages remain undisbursed because no nomination had been made by the employed person or for any reason, such amounts could not be paid to the nominee of the employed person until the expiry of one year from the date the same had become payable, all amounts of such undisbursed wages shall be deposited by the pay master with the Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi before the expiry of the fifteenth day after the last day of the said period of one year.

Manner of dealing with deposited amounts

- 19B. (1) The amounts of undisbursed wages deposited with the Chief Labour Commissioner (Central) shall be applied by him to meet the expenditure in connection with the measures to promote the welfare of persons employed upon railways particularly to

defray the cost of measures for the benefit of persons employed by the railways, such as the provision and improvement of educational, recreational and transport facilities, family welfare including family planning, vocational training and rehabilitation of disabled and handicapped persons.

- (2) The expenditure so incurred either by a pay master or a trade union of persons employed upon railways, registered under the Trade Unions Act, 1926 may be reimbursed to the person concerned by the Chief Labour Commissioner (Central) either wholly or partly at his discretion.

[F. No. S. 31012/8/82-WC(PW)]

BISHAMBHAR NATH, Under Secy.

FORM A

[See sub-rule (1) of rule 2B]

Nomination

To

(Give here name and address of the paymaster)

I.....

(name in full here)

whose particulars are given in the statement below, hereby nominate the person mentioned below to receive all amounts payable to me as wages if such amounts could not or cannot be paid on account of my death before the payment of on account of my whereabouts not being known.

2. I hereby certify that the person nominated by me is a member of my family within the meaning of clause (gg) of rule 2 of the Payment of Wages (Railways) Rules, 1938.

3. I hereby declare that I have no family within the meaning of clause (gg) of rule 2 of the said rules and should I acquire a family hereafter, the above nomination shall be void and in that event I shall make a fresh nomination in Form B.

4. (a) My father/mother/parents is/are not dependant upon me.

(b) My husband's father/mother/parents is/are not dependant on my husband.

Nominee

| Name and address of the nominee | Nominee relationship with the employed person | Age of nominee |
|---------------------------------|---|----------------|
| 1 | 2 | 3 |
| 1 | | |
| 2 | | |
| 3 | | |
| 4 | | |
| 5 | | |

Statement

1. Name of the employed person in full.
2. Sex
3. Religion
4. Whether married/unmarried/widow/widower.
5. Department/Branch/Section where employed.
6. Post held with ticket No. or, serial No., if any.
7. Date of appointment.
8. Present address.
9. Permanent address :

Village..... Thana..... Sub-division.....

Post Office..... District..... State.....

Place.....

Date....

Signature/thumb impression of the employed person

Declaration by Witnesses

Nomination signed/thumb-impressioned before me.
Name in full and full address of _____ Signature of witness

1. _____ 1.
2. _____ 2.

Place.....

Place.....

Certificate by the Paymaster

Certified that the particulars of the above nomination have been verified and recorded in the register of nominations in Form D at the Serial No.....

Signature of the Paymaster/Officer
authorised

Place.....

Date..... Designation

Name and address of the Paymaster or rubber stamp thereof.

Acknowledgement of the employed person

Received the duplicate copy of nomination in Form A filled by me and duly certified by the paymaster

Place.....

Date..... Signature of the employed person

Note:—Strike out the words and paragraphs not applicable

FORM B

(See sub-rule (4) of rule 2A)

Fresh nomination

To

(Give here name and address of the paymaster)

I,
(name in full here)

whose particulars are given in the statement below have acquired a family within the meaning of clause (gg) of rule 2 of the Payment of Wages (Railways) Rules, 1938 with effect from (date here)..... (in the manner indicated below and therefore nominate afresh the person mentioned below to receive all amounts payable to me as wages, if such amounts could not or cannot be paid on account of my death before the payment or on account of my whereabouts not being known.

2. I hereby certify that the person nominated by me is a member of my family within the meaning of clause (gg) of rule 2 of the said rules.

3. (a) My father/mother/parents is/are not dependent upon me.

(b) My husband's father/mother/parents is/are not dependent on my husband.

Nominee

| Name and address of the nominee | Nominee's relationship with the employed person | Age of nominee |
|---------------------------------|---|----------------|
| 1 | 2 | 3 |
| 1 | | |
| 2 | | |
| 3 | | |

Manner of acquiring a "family"

(Here give details as to how a family was acquired, i.e. whether by marriage or parents being rendered dependent or through other process, like adoption).

Statement

1. Name of the employed person in full.
2. Sex :-
3. Religion.
4. Whether unmarried/married/widow/vidua
5. Department/Branch/Section/where employed.
6. Post held with ticket No. or serial No. if any.
7. Date of appointment.
8. Present address
9. Permanent Address

Village Thana..... Sub-division.....

Post Office..... District State.....

Place..... Signature/thumb-impression of

Date..... the employed person

Declaration of witnesses

Fresh nominations/signed/thumb-impressioned before me.

Name in full and full address of _____ Signature of witnesses

1. _____ 1.

2. _____ 2.

Place

Date.....

Certificate by the paymaster

Certified that the particulars of the above nomination have been verified and recorded in register of nominations in form D at serial No.

Signature of the paymaster/officer
authorised

Designation.

Place..... Name and address of the establishment or rubber stamp thereof.

Acknowledgement of the employed person

Received the duplicate copy of nomination in Form B filled by me and duly certified by the paymaster.

Signature of the employed person

Place

Date.....

Note : Strike out the words and paragraphs not applicable.

FORM C

[See sub-rule (6) of rule 2

Modification of nomination

Give here name and address of the paymaster).

I,
(name in full here)

whose particulars are given below, hereby give notice that the nomination filed by me on and recorded under your reference no. (date) No. (dated) shall stand modified in the following manner :-

(Here give details of the modifications intended)

| | |
|---|--|
| <p>Statement</p> <p>1. Name of the employed person in full.</p> <p>2. Sex.</p> <p>3. Religion.</p> <p>4. Whether unmarried/married/widow/widower.</p> <p>5. Department/Branch/Section where employed.</p> <p>6. Post held with ticket No., or serial No., if any.</p> <p>7. Date of appointment.</p> <p>8. Present address.</p> <p>9. Permanent address:</p> <p>Village..... Thana..... Sub-division.....</p> <p>Post Office..... District..... State.....</p> <p>Place..... Signature/thumb-impression of the Date..... employed person</p> <p>Declaration by witnesses</p> <p>Modification of nomination signed/thumb-impression before me.</p> | <p>Name in full and full address of</p> <p>1. _____</p> <p>2. _____</p> <p>Place.....</p> <p>Date.....</p> <p>Signature of witnesses</p> <p>1. _____</p> <p>2. _____</p> <p>Certificate by the paymaster</p> <p>Certified that the above modifications have been recorded and entered into in the register of nominations in Form D at serial No.</p> <p>Signature of the paymaster/officer authorised.</p> <p>Designation</p> <p>Place..... Name and address of the estab- Da te..... lishment or rubber stamp thereof</p> <p>Acknowledgement by the employed person</p> <p>Received the duplicate copy of the notice for nomination in Form C filed by me on. duly certified by the pay- master.</p> <p>Place..... Signature of the employed person</p> <p>Date.....</p> <p>Note :—Strike out the words not applicable.</p> |
|---|--|

FORM—D

[See sub-rule (1) of rule 2 B]

Register of nominations

Name and address of the establishment..... Name and address of the Paymaster.....

PART—I

| Sl. No. | Name and complete address of the employed person | Nature of employment | Name and complete address of the nominee initially nominated in Form A with date | Name and address of the nominee subsequently nominated in Form B with date | Details of modifications, if any, specified in the notice of modification of the nomination given in Form C with date | Remarks |
|---------|--|----------------------|--|--|---|---------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |

PART-II

It shall contain one copy each of the nomination in Form A and, as the case may be, the fresh nomination in Form-B and notice of modification of nomination in Form-C in serial order indicated in part-I.

FORM VI-A

[See sub-rule (2) of rule 18A]

Form : **REGISTERED**

(Give here name and complete address of the Paymaster)

To,

The Chief Labour Commissioner (Central),
Shram Shakti Bhawan,
Rafi Marg,
New Delhi (Pin : 110 001)

Subject:—Deposit of amount of undisbursed wages.

Sh,

As required under sub-rule (1) read with sub-rule (2) of rule 18A of the Payment of Wages (Railways) Rules 1938. I

enclose the crossed demand draft bearing No.....
(mention the number)

dated for Rs.
(mention the date) (mention the amount in figures)

(rupees.....
(mention the amount in words)

drawn in your favour obtained from
(mention the name and
address of the Bank)

The above mentioned amounts represent all amounts payable
as Wages to person employed in.....
(Mention the name and address of the establishment)

Which remained undisbursed because either no nomination
had been made by the employed person(s) or for any reasons
such amounts could not be paid to the respective nominee(s)

of the employed person(s). The relevant details are furnished hereunder:—

1. Particulars of the relevant wage-period:
(Mention the details of the wage period)

2. No. of cases in which all amounts payable to an employed person as wages, remained undischarged for want of nomination:
(mention the number of such case (s))

3. Total amount of undischarged wages in cases referred to in Item 2 : Rs..... (Rupees.....)
(mention the amounts in figures) (mention the amounts in words)

4. No. of cases in which all amounts payable to an employed person as wages could not be paid to person(s) nominated by employed person(s):
(mention the number of such case(s))

5. Total amounts of undischarged wages in cases referred to in item 4: Rs..... (Rupees.....)
(mention the amounts in figures) (mention the amounts in words)

6. Total amounts of undischarged wages referred to in item 3 and 5 : Rs..... (Rupees.....)
(mention the amount in figures) (mention the amounts in words)

Yours faithfully,

Signature of the Paymaster/officer authorised

Place.....

Designation

Date.....

Name and address of the establishment or rubber stamp thereof.

Copy without enclosure s forwarded for information to the Regional Labour Commissioner (Central)
(mention address).

Signature of the paymaster/officer authorised

Place.....

Dated.....

Name and address of the establishment or rubber stamp thereof.

